CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-293
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

जैसे सूर्योदय के होते ही अंधकार दूर हो जाता है वैसे ही मन की प्रसन्नता से सारी बाधाएँ शांत हो जाती हैं।

सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर,मंगलवार 28 जनवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

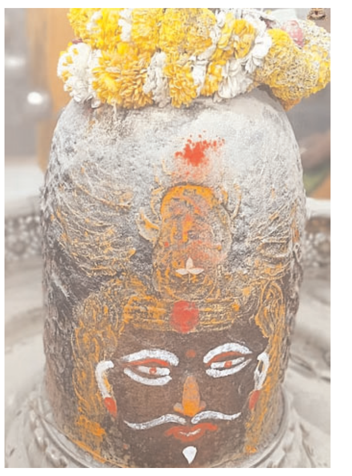

सीएम मोहन यादव बोले- कांग्रेस ने गांधी और अंबेडकर का फायदा उठाया

इंदौर। इंदौर में सोमवार को आयोजित हितग्राही सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कांग्रेस पर जमकर बरसे। सोमवार सुबह आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी शादी के बाद भी गांधी सरनेम लगाती हैं जबकि हमारे देश में बहू बेटियां शादी के बाद पति का सरनेम लगाती हैं। यह गांधी नाम का फायदा उठाकर राजनीति करने वाले लोग हैं। सीएम ने कहा राहुल गांधी आज महू में बाबा साहब अंबेडकर की जन्मस्थली पर आए हैं लेकिन उन्हें कांग्रेस द्वारा किए गए कामों पर माफी मांगना चाहिए। कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहब का अपमान किया है। इस मौके पर सीएम ने विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को हितलाभ के प्रमाण पत्र वितरण किए। गांधी नगर चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने कहा हम जिन आदर्श को मानते हैं। उनकी तिथियों का भी महत्व है। बाबा साहब अंबेडकर की जयंती या पुण्यतिथि पर कांग्रेस के राष्टीय अध्यक्ष कभी महू नहीं आए। कांग्रेस के लोग जब भी आते हैं आंखों में धूल झोंकने आते हैं। बाबा साहब ने संविधान दिया तो आना चाहिए तो 26 जनवरी को आते, आज क्यों आए हैं। बाबा साहब के साथजीवन भर अन्याय करने वाली पार्टी कांग्रेस रही है। सीएम यादव ने कहा कि पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने दो दो बार बाबा साहब को हरवाने के लिए पूरी ताकत लगा दी और जिन्होंने हरवा दिया उसे पद्म विभूषण दिलवा दिया।

कांग्रेस ने बाबासाहब अंबेडकर को चुनाव में हराया सीएम मोहन यादव ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू ने बाबासाहब अंबेडकर को चुनाव हरवा दिया। जवाहरलाल नेहरू ने उन लोगों का सम्मान किया, जिन्होंने बाबासाहब अंबेडकर को चुनाव में हराया। जवाहरलाल नेहरू ने तो खुद भारत रत्न ले लिया। इसके बाद उनके ही परिवार की इंदिरा गांधी ने भी भारत रत्न ले लिया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छोटे से छोटे स्थान से खोजकर पद्मभूषण देते हैं। कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री लाल सिंह आर्य ने कहा कि महू में आज कांग्रेस की झूठ की फैक्ट्री पहुंची है। प्रदेश में 47 साल तक कांग्रेस की सरकार रहने के बावजूद बाबा साहब का स्मारक क्यों नहीं बनाया। इन लोगों को इसका जवाब देना पड़ेगा।

बाबा साहेब की भावना के अनुसार हो रहा काम मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर की समरसता और समानता की भावना को केंद्र में रखकर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व की सरकारों ने बाबा साहेब को वह सम्मान नहीं दिया, जो उन्हें मिलना चाहिए था। हमारी सरकार ने बाबा साहेब के उन स्थानों को पंच तीर्थ के रूप में विकसित किया है, जो उनके जीवन से जुड़े हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुशासन और समता मूलक समाज के आधार पर देश को आगे बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए 63 प्रकार की विभिन्न योजनाओं जैसे आयुष्मान कार्ड, गरीबी रेखा राशन के लाभ उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार के प्रतिनिधि घर-घर पहुंच रहे हैं।

जियो और जीने दो के सिद्धांत पर विश्वास सीएम यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में पक्के मकान उपलब्ध कराने के लिए पुन- सर्वे कराया जा रहा है। राज्य सरकार जियो और जीने दो के सिद्धांत पर विश्वास करती है और हर गरीब का जीवन बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पक्का मकान, गैस का चूल्हा, 2029 तक प्रतिमाह निशुल्क राशन, बच्चों के अध्ययन के लिए निशुल्क पुस्तकों की व्यवस्था के साथ ही दुग्ध-उत्पादन में वृद्धि के लिए 10 से अधिक गाय पालने वालों को अनुदान की व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नशा नाश की जड़ है, अत- प्रदेश में नशा मुक्ति अभियान आरंभ किया जा रहा है। शराब दुकानों को हतोत्साहित कर दूध के उत्पादन को प्रोत्साहित करना हमारा उद्देश्य है।

मप्र में सियासत का केंद्र बने संविधान निर्माता, अंबेडकर की जन्मस्थली महू में राहुल गांधी ने की रैली

राहुल बोले- संविधान को खत्म करना चाहते हैं बीजेपी-आरएसएस

महू। सोमवार को बाबासाहेब अंबेडकर की जन्मस्थली महू में कांग्रेस ने बड़ी रैली की। इसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश में निजीकरण और कुछ अरबपतियों के पोषण के लिए गरीबों को गुलाम बनाया जा रहा है। इसलिए लोगों को संविधान विरोधी सरकार के खिलाफ आवाज उठानी होगी। देश में विचारधारा की लड़ाई चल रही है। एक संविधान को बचाना चाहती है तो दूसरी संविधान के खिलाफ है। राहुल गांधी ने संविधान की प्रतीक किताब दिखाते हुए कहा कि यह संविधान कोई किताब नहीं है। इसमें हिंदुस्तान की हजारों साल पुरानी सोच है। राहुल गांधी ने कहा कि पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था 15 अगस्त 1947 में आजादी नहीं मिली। सच्ची आजादी मोदीजी के आने के बाद मिली। यह सीधा संविधान पर आक्रमण है। जिस दिन यह संविधान खत्म हो जाएगा, उस दिन देश में दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों के लिए कुछ नहीं बचेगा। अडानी व अंबानी जैसे दो-तीन अरबपति लोगों को सारा धन सौंपा जा रहा है। बीते 50 साल के इतिहास में सबसे ज्यादा बेरोजगारी आज है। आम लोगों को बच्चों की शादी

करने के लिए कर्ज लेना पड़ता है, क्योंकि रोजगार नहीं होने से आपके घर में पैसा नहीं है। जितना धन अरबपतियों के हाथ में जाएगा, उतना कम रोजगार आपके बच्चों को मिलेगा। नोटबंदी और जीएसटी हिंदुस्तान के गरीब लोगों को खत्म करने का औजार है।

अरबपतियों का मोदी ने 16 लाख करोड़ माफ किया कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने अरबपतियों का 16 लाख करोड़ रुपए कर्ज माफ किया है। आखिर ये किसका पैसा था, आपकी मेहनत के पैसे से उनका कर्ज माफ हुआ। मेहनत आप करते हो और अडानी-अंबानी चीन का माल हिंदुस्तान में बेचते हैं। मेहनत आप लोग करते हो और रोजगार चीन के लोगों को मिलता है। पेट्रोल का दाम बढ़ता जाता है। आप देखते रहते हो इंटरनेशनल मार्केट में पेट्रोल का दाम कम होता है लेकिन हिंदुस्तान में कभी कम नहीं होता। इसका सीधा फायदा अडानी-अंबानी को होता है।

हिंदुस्तान को अरबपति चलाएंगे, यही बीजेपी की सोच राहुल गांधी ने कहा कि आजादी से पहले गरीबों, दलित-पिछड़ा और आदिवासियों के कोई अधिकार नहीं थे। सिर्फ राजा महाराजा के थे, जो बदलाव आजादी के दिन आया था, आपको जमीन मिली। उसका हक मिला. अधिकार दिए गए। बीजेपी-आरएसएस वाले चाहते हैं कि आजादी से पहले जो था, जहां गरीबों का कोई अधिकार नहीं थे, सिर्फ अडानी-अंबानी जैसे लोगों के अधिकार थे, वैसा हिंदुस्तान ये लोग चाहते हैं। वे चाहते हैं गरीब चुप बैठें, भूखे मर जाएं। कोई सपना न देखें और हिंदुस्तान को अरबपति चलाएं। उनको एयरपोर्ट चाहिए, एयरपोर्ट मिल जाएं, हाईवे मिले जाएं। आपकी शिक्षा, अस्पताल और सारी व्यवस्था प्राइवेट हाथों में जा रही हैं। एससी-एसटी, ओबीसी और सामान्य गरीबों को गुलाम बनाया जा रहा है।

राष्ट्रपति को मंदिर में अंदर जाने नहीं दिया राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा कहती है कि राम मंदिर बनने के बाद दूसरी आजादी मिली लेकिन राम मंदिर के उद्घाटन में आपने किसी गरीब, दलित और मजदूर-किसान को नहीं देखा। आदिवासी राष्टपति को उन्होंने मंदिर में अंदर जाने नहीं दिया। दलित, ओबीसी, पिछड़े भी नहीं गए। पार्लियामेंट का उद्घाटन हुआ तो राष्टपति को अंदर नहीं आने दिया। यही सच्चाई है। अब रास्ता यही है कि सबसे पहले यह पता करना है कि देश का धन किसके हाथ में कितना है। हिंदुस्तान के 500 बड़े बिजनेसमैन जो अरबपति हैं इनमें कोई एससी-एसटी ओबीसी नहीं है, लेकिन 90त्न की आबादी का पैसा इन लोगों के हाथों में है।

इतिहास में दर्ज हुआ उत्तराखंड का नाम

यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य बना उत्तराखंड

देहरादून। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू हो गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में संहिता की नियमावली व पोर्टल का लोकार्पण किया। समान नागरिक संहिता लागू करने के साथ ही उत्तराखंड स्वतंत्रता के बाद ऐसा करने वाला पहला राज्य बन गया। उत्तराखंड सरकार ने सभी नागरिकों को समान अधिकार देने के उद्देश्य से समान नागरिक संहिता कानून बनाया है। सात फरवरी 2024 को विधानसभा ने इससे संबंधित विधेयक पारित किया। 12 मार्च को इसे राष्टपति से मंजूरी प्राप्त हुई। फिर 14 मार्च को सरकार ने समान नागरिक संहिता को लागू करने से पहली इसकी नियमावली बनाने का निर्णय लिया। लगभग एक साल तक चली कसरत के बाद नियमावली तैयार की गई। इसके बाद इसे धरातल पर उतारने के लिए कार्मिकों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। संहिता के प्रविधानों के अनुसार विभिन्न विषयों का पंजीकरण कराने के लिए ऑनलाइन पोर्टल भी बनाया गया है। अनुसूचित जनजातियों को छोड़कर, सम्पूर्ण उत्तराखंड राज्य, साथ ही राज्य से बाहर रहने वाले उत्तराखंड के निवासियों पर लागू। यूसीसी लागू करने के लिए ग्रामीण क्षेत्र में एसडीएम रजिस्ट्रार और ग्राम पंचायत विकास अधिकारी सब रजिस्ट्रार होंगे। जबकि नगर पंचायत-नगर पालिकाओं में संबंधित एसडीएम रजिस्ट्रार और कार्यकारी अधिकारी सब रजिस्ट्रार होंगे। इसी तरह नगर निगम क्षेत्र में नगर आयुक्त रजिस्ट्रार और कर निरीक्षक सब रजिस्ट्रार होंगे। छावनी क्षेत्र में संबंधित उएड रजिस्ट्रार और रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर या सीईओ द्वारा अधिकृत अधिकारी सब रजिस्ट्रार होंगे। इन सबके उपर रजिस्ट्रार जनरल होंगे, जो सचिव स्तर के अधिकारी एवं इंस्पेक्टर जनरल ऑफ रजिस्ट्रेशन होंगे। यदि रजिस्ट्रार तय समय में कार्रवाई नहीं कर पाते हैं तो मामला ऑटो फारवर्ड से रजिस्ट्रार जनरल के पास जाएगा। इसी तरह रजिस्ट्रार या सब रजिस्ट्रार के आदेश के खिलाफ रजिस्ट्रार जनरल के पास अपील की जा सकेगी, जो 60 दिन के भीतर अपील का निपटारा कर आदेश जारी करेंगे।

जबलपुर में सड़क पर एक साथ 4 लोगों की हत्या

जबलपुर। जबलपुर जिला मुख्यालय से करीब 25 किमी पाटन इलाके के अंतर्गत आने वाले टिमरी गांव में दो पक्षों के बीच हुए विवाद में 4 लोगों की सड़क पर सनसनीखेज हत्या कर दी गई है। बताया जा रहा है कि, दो परिवारों के बीच चली आ रही पुरानी रंजिश के चलते ये सनसनीखेज हत्याकांड हुए हैं। एक परिवार के हमलावरों ने डंडे, चाकू और फरसे से हमला कर चार लोगों की हत्या कर दी। हमले में एक युवक बुरी तरह घायल भी हुआ है, जिसे गंभीर हालत में इलाज के लिए भेजा गया है। ये सनसनीखेज हत्याकांड जमीन विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है। घटना की जानकारी लगते ही पाटन पुलिस और अनूसार, पुलिस चौकी की टीम के साथ-साथ जिले के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। वहीं, मौके पर पाटन विधायक अजय बिश्नोई, कलेक्टर दीपक सक्सेना और एसपी संपत उपाध्याय भी पहुंचे। इधर, जघन्य हत्याकांड के बाद लोगों में भी आक्रोश फूट पड़ा। लोगों ने सड़क जाम कर दी। वहीं, वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गया । पुलिस ने अलग अलग टीमें बनाकर आरोपी की तलाश शुरू की है। जिस प्रकार से यह हत्या हुई, उससे पूरे गांव में तनाव के हालात बन गए। आक्रोशित ग्रामीण सड़क पर उतर आए ।

वक्फ संशोधन विधेयक को जेपीसी ने दी मंजूरी

किए गए 14 बदलाव, विपक्ष के सुझाव खारिज

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने मंजूरी दे दी है। इसमें 14 बदलाव किए गए हैं। आगामी बजट सत्र में रिपोर्ट सदन में रखी जाएगी। सत्तारूढ़ भाजपा के जगदंबिका पाल की अगुआई वाली समिति के समक्ष कुल 44 बदलाव प्रस्तावित किए गए थे, जिनमें से कई प्रस्ताव विपक्षी सांसदों से भी उठाए गए थे, लेकिन मतदान के जरिए विपक्ष द्वारा प्रस्तावित परिवर्तनों को अस्वीकार कर दिया गया। वक्फ संशोधन विधेयक की जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति ने सोमवार को भाजपा-नीत एनडीए सदस्यों द्वारा प्रस्तावित सभी संशोधनों को स्वीकार कर लिया और विपक्षी सदस्यों द्वारा किए गए सभी संशोधनों को खारिज कर दिया। बैठक के बाद समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने पत्रकारों को बताया कि समिति द्वारा अपनाए गए संशोधन कानून को बेहतर और अधिक प्रभावी बनाएंगे। विपक्ष के

सांसदों ने बैठक की कार्यवाही की आलोचना की और पाल पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने का आरोप लगाया। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने पत्रकारों से कहा, यह एक दिखावटी बैठक थी। हमें सुना तक नहीं गया। पाल ने तानाशाही तरीके से काम किया है। वहीं पाल ने इन आरोपों को खारिज किया और कहा कि पूरी प्रक्रिया लोकतांत्रिक थी और बहुमत के जरिये ही फैसला लिया गया। समिति के समक्ष कुल 44 बदलावों के प्रस्ताव पेश किए गए थे, लेकिन 14 प्रस्तावों को ही मंजूर किया गया। पाल ने कहा कि विपक्ष के सदस्यों ने विधेयक की सभी 44 धाराओं में सैकड़ों संशोधन प्रस्तावित किए थे, लेकिन उन्हें मतदान के जरिए खारिज कर दिया गया। समिति द्वारा प्रस्तावित महत्वपूर्ण संशोधन यह है कि वर्तमान कानून में मौजूद ह्यवक्फ बाय यूजरह्व के आधार पर मौजूदा वक्फ संपत्तियों को चुनौती नहीं दी जा सकती, अगर इन संपत्तियों का उपयोग धार्मिक उद्देश्यों के लिए किया जा रहा हो।

कैलास मानसरोवर यात्रा फिर शुरू करने पर भारत और चीन माने

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच सोमवार को कैलास मानसरोवर की यात्रा को फिर से शुरू करने को लेकर फैसला लिया गया। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री और चीनी मंत्री वांग यी के बीच में हुई मुलाकात में यह फैसला लिया गया। कैलास मानसरोवर यात्रा इसी साल से शुरू होने की संभावना है। हिन्दु धर्म की मान्यताओं के अनुसार कैलास को भगवान शिव का निवास स्थान माना जाता है। दोनों देशों के तनाव के चलते चीनी क्षेत्र से यह यात्रा काफी समय से बंद है। कैलास मानसरोवर की यात्रा के अलावा दोनों देशों ने सीधी उड़ानों को फिर से शुरू करने पर भी सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दी, जो कि कोविड के समय से ही बंद हैं। ऐसे में यह फैसला भारत और चीन के बीच में आने-जाने वाले लोगों के लिए भी फायदेमंद होगा। विदेश मंत्रायल ने बयान जारी कर कहा कि दोनों ही देश सीमा पार कर आने वाली नदियों से संबंधित आपसी सहयोग पर चर्चा करने के लिए सहमत हुए हैं। इस मुद्दे को लेकर भारत और चीन के बीच विशेषज्ञ स्तर की बातचीत जल्दी ही शुरू की जाएगी। भारत और चीन लोगों के बीच विशेषकर मीडिया और थिंक टैंक के बीच संपर्क बढ़ावा देने पर भी राजी हुए।

उलझे मुद्दों को बातचीत से सुलझाएंगे विदेश मंत्रायल के बयान में कहा गया कि दोनों ही देश जल्दी ही एक-दूसरे के हितों और चिंताओं को ध्यान में रखने और सुलझाने के लिए संवाद का सहारा लेंगे। इसके इतर जो भी मुद्दे उलझे हुए हैं, उन्हें हल करने के लिए दोनों ही देश पारदर्शिता और आपसी सहमति और सहयोग का सहारा लेंगे। भारत और चीन के संबंध 2020 में अपने निचले स्तरों पर आ गए थे। डोकलाम में दोनों सेनाओं के बीच हुई झड़प में दोनों ही तरफ से सैनिक हताहत हुए थे। पिछले चार सालों में दोनों देशों के बीच में विवाद सुलझाने को लेकर कई बैठकें हुई लेकिन नतीजे शिफर रहे। प्रधानमंत्री मोदी की कजान यात्रा के बाद दोनों देशों के बीच में 2020 की स्थिति में वापस जाने का फैसला लिया। इसके बाद 2020 से बनी टकराव की स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ।

पहले भारत-चीन के बीच हर माह 539 सीधी उड़ानें थीं कोरोना महामारी से पहले भारत और चीन के बीच हर माह 539 सीधी उड़ानें हुआ करती थीं। इनकी कैपेसिटी कुल मिलाकर 1.25 लाख सीटों से ज्यादा थी। इन फ्लाइट्स में एयर इंडिया, चाइना साउथर्न एयरलाइन्स, चाइना ईस्टर्न एयरलाइन्स जैसी कंपनियां शामिल थीं। उड़ान सेवा निलंबित रहने के बाद दोनों देशों के यात्री बांग्लादेश, हांगकांग, थाइलैंड और

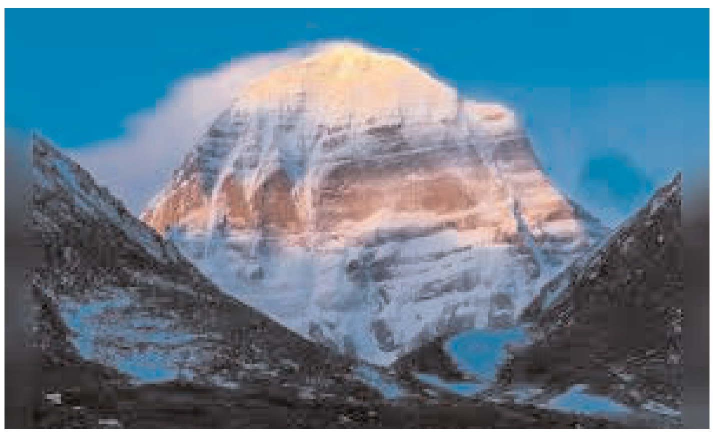

सिंगापुर जैसे कनेक्टिंग हब के जरिए यात्रा करते थे।

कमिश्नर बोले- पीथमपुर में पहले भी जला है भोपाल गैस कांड का कचरा

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। यूनियन कार्बाइड भोपाल के कचरे को पीथमपुर में निष्पादन करने से आमजन के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा। दहन प्रक्रिया से उत्पन्न होने वाले अवशेषों को सिक्योर्ड लैण्डफिल में सुरक्षित तरीके से नष्ट किया जाएगा। इस अवशेष का एक भी कण भूजल में प्रवेश नहीं करेगा। कचरा जलाने की मानिटरिंग केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा की जाएगी। यह बात संभागायुक्त दीपक सिंह ने इंदौर में पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही। सिंह ने आगे कहा कि जिस दिन पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के कचरे को जलाया जाएगा, उस वक्त मैं स्वयं वहां पर मौजूद रहूंगा। यूनियन कार्बाइड भोपाल का यह कचरा वर्षों पुराना है और इसमें जो रासायनिक अवशेष हैं, उसमें मिथाइल आइसोसाइनाइड की उपस्थिति नहीं है। इस अवशेष में 5 प्रकार का कचरा है, जिसमें परिसर की मिट्टी, रिएक्टर अवशेष, सेविन (कीटनाशक) अवशेष, नेफ्थाल अवशेष और सेमीप्रोसेस्ड अवशेष शामिल हैं। इन अवशेषों का निष्पादन वैज्ञानिक तरीके से किया जाना अनिवार्य है। उक्त कचरे में कार्बनिक पदार्थ हैं। इसलिए उन्हें भस्मक में जलाना अनिवार्य है। संभागायुक्त दीपक सिंह ने कहा कि इस कचरे को पीथमपुर में इसलिए जलाया जा रहा है, क्योंकि प्रत्येक राज्य में एक डिस्पोजल साइट है जहां पर इस तरह का कचरा जलाने की सुविधाएं हैं। मध्यप्रदेश में यह डिस्पोजल साइट (टीएसडीएफ) पीथमपुर में है और इस साइट पर यूनियन कार्बाइड भोपाल के कचरे को निष्पादन करने के निर्देश उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा दिए गए हैं। सिंह ने बताया कि पीथमपुर प्लांट में यूनियन कार्बाइड के कचरे को जलाने की आधुनिक सुविधाएं हैं और इसका प्रमाण केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा दिया गया है। जिसको उच्च न्यायालय जबलपुर और उच्चतम न्यायालय ने भी स्वीकार किया है। पीथमपुर प्लांट में कचरे को विभिन्न स्तर पर जलाया जाएगा। इसके बाद भी यदि कोई फ्लू गैस रह जाएगी, उसका भी उपचार करने की यहां व्यवस्था है। इस गैस के उपचार हेतु उपकरण स्प्रे डायर, मल्टी सायक्लान, ड्राय स्क्रबर, बैग फिल्टर, वेट स्क्रबर मौजूद है। फ्लू गैस से होने वाले उत्सर्जन के निरंतर मापन हेतु ऑनलाईन उत्सर्जन मॉनिटरिंग सिस्टम भी स्थापित है।

स्वास्थ्य और पर्यावरण को नहीं होगा नुकसान
डॉ. सिंह ने बताया कि वर्ष 2015 में भी न्यायालय के निर्देश पर भोपाल यूनियन कार्बाइड के 10 टन कचरे को सैंपल के रूप में लाकर जलाया गया था। जिससे ये पता चल सके कि यह प्लांट कचरा जलाने के लिए उपयुक्त है। सिंह ने कहा कि पीथमपुर में निष्पादन करने से स्वास्थ्य और पर्यावरण पर किसी प्रकार का विपरीत प्रभाव नहीं पड़ना है, क्योंकि अब इस कचरे में मिथाइल आयसोसायनाईड गैस का कोई अस्तित्व नहीं है और इसमें किसी प्रकार के रेडियो एक्टिव कण भी नहीं है। जनता को विश्वास में लेकर ही कचरा जलाने की प्रक्रिया की जाएगी। सिंह ने कहा कि इससे न तो भूजल प्रदूषित होगा और न ही मिट्टी को नुकसान पहुंचेगा, क्योंकि यह निष्पादन सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीके से किया जाएगा। इस कचरे का वैज्ञानिक तरीके से भस्मक करना अनिवार्य है, इसलिए इसका पीथमपुर डिस्पोजल साईट पर निष्पादन करना है।

मौसम ने फिर पलटी मारी
तेज धूप ने किया परेशान

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर में पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम में बदलाव देखने को मिला है। रविवार को दिनभर साफ आसमान और तेज धूप का अनुभव हुआ, जिससे दिन का तापमान सामान्य से 1 डिग्री अधिक, यानी 28 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। दूसरी ओर, रात के तापमान में 1 डिग्री की गिरावट आई और यह 12.5 डिग्री सेल्सियस (-2) दर्ज किया गया। सोमवार सुबह से मौसम पूरी तरह साफ है और धूप खिली हुई है। ठंड का असर अब कम हो रहा है, और मौसम वैज्ञानिकों ने अगले एक-दो दिनों तक ऐसा ही मौसम बने रहने की संभावना जताई है। इन दिनों इंदौर का मौसम दूसरे जिलों की तुलना में अलग अनुभव हो रहा है। इससे पहले दक्षिण-पूर्वी हवाओं ने प्रदेश से ठंड को लगभग खत्म कर दिया था। एक सप्ताह तक दिन और रात के तापमान में काफी वृद्धि देखी गई थी। हालांकि, बीती रात का तापमान 1 डिग्री गिरा और अभी भी दिन का तापमान सामान्य से 1 डिग्री और रात का तापमान 2 डिग्री अधिक बना हुआ है। फरवरी के पहले सप्ताह में इंदौर का मौसम साफ रहेगा। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के प्रभाव के चलते फरवरी के शुरुआती चार दिनों तक मौसम में हल्का बदलाव देखा जा सकता है।

1 से 4 फरवरी के बीच प्रदेश के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। हालांकि, इंदौर, भोपाल और उज्जैन संभाग में मौसम साफ रहने की संभावना है। जनवरी में इंदौर में मौसम परिवर्तनशील रहा। पूरे महीने के दौरान दिन और रात के तापमान में उतार-चढ़ाव दर्ज किए गए। जनवरी की शुरुआत में दिन का तापमान सामान्य से थोड़ा अधिक रहा, लेकिन मध्य और अंत के दिनों में ठंड का प्रभाव बढ़ गया। दिन और रात दोनों समय तापमान में कमी देखी गई। 13 जनवरी को सबसे कम दिन का तापमान 19.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि 4 जनवरी को सबसे अधिक दिन का तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, रात के तापमान में सबसे कम 6.6 डिग्री सेल्सियस (7 जनवरी) और सबसे अधिक 16.6 डिग्री सेल्सियस (15 जनवरी) दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, आने वाले दिनों में इंदौर में मौसम साफ और स्थिर रहेगा। इस महीने के तापमान के उतार-चढ़ाव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इंदौर का मौसम इन दिनों सामान्य से अधिक परिवर्तनशील रहा है।

अभ्यर्थियों की मांग केवल अंग्रेजी में नहीं...हिंदी-इंग्लिश दोनों भाषाओं में हो एमपीपीएससी

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। एमपीपीएससी के अभ्यर्थी सोमवार को मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के दफ्तर पहुंचे। यहां सचिव के नाम ज्ञापन दिया। कहा कि एमपीपीएससी नेफ्ड सेफ्टी ऑफिसर की एग्जाम की योजना और सिलेबस वेबसाइट पर अपलोड किया है। जिसमें यह बताया गया कि एग्जाम पार्ट बी केवल इंग्लिश लैंग्वेज में होगा। उनका कहना है कि एमपी में अधिकतर अभ्यर्थी हिंदी मीडियम के है और इसी माध्यम से तैयारी कर रहे हैं। उन्हें इससे मुश्किल होगी। वहीं, उन्होंने बताया कि दूसरे हिंदी भाषी राज्यों में फूड सेफ्टी ऑफिसर की एग्जाम दोनों माध्यम में होती है तो हिंदी माध्यम वाले अभ्यर्थियों की संख्या को देखते हुए यहां भी पूरी एग्जाम दोनों माध्यम में होना चाहिए। दरअसल, खाद्य सुरक्षा अधिकारी-2024 भर्ती परीक्षा जून में आयोजित होना है। जिसकी परीक्षा योजना और पाठ्यक्रम 23 जनवरी 2025 को घोषित किया गया है। ज्ञापन में लिखा गया है कि परीक्षा के खंड ब (खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी) विषय केवल अंग्रेजी माध्यम में होना प्रस्तावित है। हिंदी को राजभाषा अधिनियम 1957 के तहत मध्यप्रदेश की आधिकारिक भाषा घोषित किया है, साथ ही राजभाषा अधिनियम 1956 के तहत मध्यप्रदेश को हिंदी में प्रवीणता वाले राज्यों के अंतर्गत क्षेत्र क में रखा गया है। इस परीक्षा को केवल अंग्रेजी में आयोजित करवाना न्यायोचित प्रतीत नहीं होता है। विद्यार्थियों में से अधिकांश ने हिंदी भाषा के साथ अपना अध्ययन किया है। वहीं, मध्यप्रदेश जैसे हिंदी भाषी राज्य में जहां एक ओर सरकार एमबीबीएस जैसे चिकित्सा पाठ्यक्रम हिंदी में आयोजित करवा रही है। दूसरी ओर, हम जैसे हिंदी भाषी विद्यार्थियों को अंग्रेजी में पेपर देना कठिन सा प्रतीत होता है। हम विद्यार्थियों में से अधिकांश आदिवासी बाहुल्य जिलों में निवासरत है। सामान्यतः यह देखा गया है कि ऐसे क्षेत्रों से पढ़कर अंग्रेजी जैसी भाषा के साथ विद्यार्थियों की उतनी सहजता नहीं बन पाती है। केवल अंग्रेजी में परीक्षा आयोजित होने से हम योग्य रहने के बावजूद भी अंग्रेजी माध्यम के छात्रों से प्रदर्शन में पीछे रह जाएंगे। अन्य हिंदी भाषी राज्यों झारखंड, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश आदि में भी उक्त परीक्षा अंग्रेजी के साथ मुख्यतः हिंदी माध्यम में आयोजित की गई थी। उन्होंने यहां हुए एग्जाम के पेपर भी ज्ञापन में संलग्न किए हैं।

ट्रैफिक सुधारने के लिए सीतला माता बाजार में लगेंगे बैरिकेड्स

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। शहर के सीतला माता बाजार में ट्रैफिक की समस्या को सुलझाने के लिए व्यापारी एसोसिएशन ने कमर कस ली है। जल्द ही बाजार में बैरिकेड्स लगाने की तैयारी है, ताकि ई-रिक्शा, रिक्शा, ठेला और चार पहिया गाड़ियां बाजार में न आ सकें। यह व्यवस्था दोपहर 12.30 बजे से रात 9 बजे तक लागू रहेगी। इसके साथ ही एसोसिएशन दो गार्ड भी तैनात करेगा, जो पुलिस जवानों की मदद करेंगे। श्री सीतला माता बाजार व्यापारी एसोसिएशन की अध्यक्ष हेमा पंजवानी ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस के साथ हुई बैठक में तय किया गया है कि गौराकुंड चौराहा और मरोठिया बाजार पर चार-चार बैरिकेड लगाए जाएंगे। केवल दो पहिया वाहनों को बाजार में आने दिया जाएगा। एसोसिएशन की तरफ से तैनात गार्ड ट्रैफिक पुलिस का सहयोग करेंगे। एसोसिएशन बाजार में व्यवस्था सुधारने के लिए व्यापारियों से बात करेगा। व्यापारियों और उनके स्टाफ की गाड़ियां यशवंत गंज स्थित मल्टी लेवल पार्किंग में खड़ी करने को कहा जाएगा। इस पार्किंग का मासिक शुल्क 300 रुपए तय किया गया है। अध्यक्ष ने कहा कि दुकानों के बाहर रखी डमी और अन्य वस्तुओं को व्यवस्थित करने के लिए व्यापारियों को समझाया जाएगा। यह योजना 1 फरवरी से लागू होगी। सीतला माता बाजार में करीब 450 कपड़ा दुकानें हैं। प्रदेशभर से ग्राहक यहां खरीदारी करने आते हैं। सड़क चौड़ीकरण के बाद व्यापार में तेजी आई थी, लेकिन ट्रैफिक की समस्या से ग्राहकों को परेशानी हो रही थी। एसोसिएशन का मानना है कि नई व्यवस्था से बाजार में ट्रैफिक समस्या का समाधान होगा और व्यापार पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

एयरफोर्स के लेफ्टिनेंट के साथ मारपीट
पुलिस ने दर्ज किया केस

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर के एमजी रोड पर भारतीय वायुसेना के फ्लाइट लेफ्टिनेंट के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने शिकायत के बाद एक्टिवा सवार युवक और उसके तीन साथियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। एमजी रोड पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, विश्व पुत्र नवीन चौहान निवासी सुदामा नगर को शिकायत पर मनोज औदिच्य और उसके तीन साथियों के खिलाफ मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, विश्व भारतीय वायुसेना में फ्लाइट लेफ्टिनेंट के पद पर तैनात हैं। 26 जनवरी को दोपहर में, वह अपनी ओला स्कूटर से जेल रोड की तरफ अपने मौसी के बेटे श्री के साथ स्मार्ट वॉच ठीक कराने जा रहे थे। तभी रॉन्ग साइड से एक्टिवा (नंबर टद09एढ8416) सवार व्यक्ति ने आकर उनकी स्कूटर के सामने गाड़ी रोक दी। जब विश्व ने उसे गलत लेन में आने की बात कही, तो उसने अपशब्द कहे। इसके बाद उसने अपने तीन साथियों को बुलाया, और चारों ने मिलकर विश्व और श्री के साथ मारपीट की। इस दौरान आरोपियों ने ईंट और हाथ-मुक्कों से हमला किया, जिससे विश्व के गाल, गर्दन और चेहरे पर चोट आई। बाद में आसपास के लोगों ने बचाव किया और मारपीट करने वाले व्यक्ति की जानकारी लेकर थाने पहुंचे, जहां लेफ्टिनेंट विश्व ने केस दर्ज कराया।

पिकनिक मनाने गए नाबालिक की डूबने से मौत

इंदौर। सिमरोल इलाके में एक नाबालिक की डूबने से मौत हो गई। बताया जाता है कि वह दोस्तों के साथ यहां पिकनिक मनाने पहुंचा। इसी दौरान हादसा हो गया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर शव को जिला अस्पताल भेजा। सिमरोल पुलिस ने बताया कि अल्फेज(17)पुत्र फरीद मंसूरी निवासी रानीपुरा झंडा चौक अपने दोस्तो के साथ बाइक से बगोदा इलाके के जूना पानी फाल कुंड में पिकनिक मनाने पहुंचा। उसके साथ कुछ दोस्त भी थे। नहाने के दौरान वह कुंड की गहराई में चले गया। जिसमें वह डूब गया। बाद में दोस्तो ने ग्रामीणो को जानकारी दी। काफी देर की मशक्कत के बाद उसका शव बाहर निकाला गया। बाद में उसे जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस के मुताबिक अल्फेज फ्रेबिकेशन का काम करता है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम किया है। अल्फेज के परिवार में पिता ई रिक्शा चलाते है।वही एक बड़ा भाई मेडीकल दुकान पर काम करता है। उसकी एक बड़ी बहन भी है। वह सबसे छोटा है। अल्फेज अपने दोस्त उमेर,सितेन,हसनेन उर्फ मोईन और इसहाक के साथ गया था। उनहोने पुलिस को दिए बयान में बताया कि अल्फेज गहराई में चले गया था। उसने मदद मांगी तो सभी दोस्तो ने बेल्ट बांधकर उसकी तरफ फेंककर बाहर निकालने की कोशिश की। लेकिन उस तक मदद नही पहुंच पाई। बाद में वह गहराई में जा गिरा। बाद में दोस्तो ने यहां लोगो से मदद मांगी। जिसमें उसका शव ही बाहर आ पाया।

मप्र बोर्ड परीक्षाओं को लेकर शिक्षकों की छुट्टी पर लगी रोक

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं के चलते सरकारी स्कूल के टीचर्स के अवकाश पर रोक लगा दी गई है। स्वास्थ्य कारणों से ही टीचर्स अवकाश ले सकेंगे। इस छुट्टी के लिए भी जिला मेडिकल बोर्ड का सर्टिफिकेट लेना जरूरी होगा।
10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा के लिए जिले के 140 स्कूलों को सेंटर बनाया गया है। एग्जाम की तैयारी के चलते जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन ने एक मीटिंग भी की थी। इसमें उन्होंने कहा था कि बिना अनुमति किसी भी टीचर को छुट्टी नहीं दी जाए। अब जिला शिक्षा अधिकारी ने समस्त संकुल प्राचार्यों को नोटिस जारी कर टीचर्स के अवकाश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

एग्जाम संबंधी काम को मप्र अनिवार्य सेवा संधारण एवं विच्छिन्नता निवारण अधिनियम के तहत अनिवार्य सेवा घोषित किया है। एग्जाम व मूल्यांकन काम में लगे कर्मचारियों की सेवा अत्यावश्यक श्रेणी में आती है। इसलिए कोई भी प्रिंसिपल, टीचर या कर्मचारी एग्जाम से जुड़े कामों से इनकार करते हैं तो उन पर कार्रवाई की जाएगी। आकस्मिक अवकाश सिर्फ संकुल प्रिंसिपल की स्वीकृत पर मिल सकेगा। बीमारी में शिक्षक व कर्मचारी अवकाश ले सकते है, लेकिन इसके लिए, उन्हें अनिवार्य रूप से जिला मेडिकल बोर्ड का सर्टिफिकेट देना होगा।

एक दिनी रोजगार मेला 3 फरवरी को लगेगा

इंदौर। इंदौर। इंदौर के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेन्टिसशिप के अवसर एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक दिनी रोजगार मेला 3 फरवरी को आयोजित किया जा रहा है। रोजगार और अप्रेन्टिसशिप मेले (युवा संगम) का आयोजन जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई और जिला उद्योग केन्द्र द्वारा सुबह 10.30 बजे से दोपहर 3 बजे तक आईटीआई में किया जाएगा। पीएस मंडलोई (डिप्टी डायरेक्टर, रोजगार) ने बताया कि इस मेले में आवेदकों को करियर बनाने के साथ-साथ व्यवसाय शुरू करने के लिए लोन की प्रकिया के संबंध में मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। रोजगार मेले में टाटा मोटर्स, मोजेक वर्क स्कील, पटेल मोटर्स, श्याम मेटल, डी.टी. इण्डस्ट्रीज, जॅस्ट डॉयल आदि कम्पनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। कंपनियों द्वारा लगभग 300 से अधिक विभिन्न पदों जैसे सेल्स एक्जिक्युटिव, टेलीकॉलर, पैकिंग, सेल्स, टीम लीडर, ड्राइवर, बैक ऑफिस, हेल्पर, इलेक्ट्रिशियन, फिटर, वेल्डर आदि पदों के लिए साक्षात्कार लेकर प्रारंभिक रूप से चयन किया जाएगा। मेले में 18 से 40 वर्ष के आवेदक जो आठवीं से लेकर पोस्ट ग्रेजुएट किसी भी विषय में पास और तकनीकी योग्यता हैं, योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

निवेश को बढ़ावा देने के लिए सीएम मोहन यादव जापान की यात्रा पर रवाना

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव चार दिवसीय जापान यात्रा पर सोमवार देर शाम रवाना हो गए। इस यात्रा का उद्देश्य मध्यप्रदेश में निवेश लाना है। रवानगी से पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश तकनीक और आर्थिक क्षेत्र में जापान के साथ जुड़कर कार्य करने का इच्छुक है। उनकी जापान यात्रा प्रदेश के विकास और प्रगति के नए आयाम स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 24-25 फरवरी को भोपाल में होने जा रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए जापान के उद्योग समूहों को नई तकनीक के साथ आमंत्रित करना उनकी जापान यात्रा का उद्देश्य है। जापान रवानगी से पहले मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार गरीब, महिला, किसान और युवाओं सहित सभी वर्गों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर अभियान संचालित कर रही है। शासकीय एवं निजी दोनों क्षेत्र में औद्योगिकरण, कृषि, पशुपालन सहित सभी क्षेत्रों में युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। सरकार का प्रयास है कि सभी को आत्मनिर्भरता के साधन मिलें, उनकी क्षमता और कौशल का उन्नयन हो और परिवारों की आय बढ़ें, इस उद्देश्य से प्रत्येक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं।

मध्यप्रदेश अपनी क्षमता से आगे बढ़ेगा

सीएम मोहन यादव ने कहा कि पिछले वर्ष किए गए विभिन्न प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रदेश ने सभी क्षेत्रों में प्रगति कर उपलब्धियां दर्ज कराई हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सभी प्रदेशवासी आश्वस्त हैं कि मध्यप्रदेश अपनी क्षमता के आधार पर आगे बढ़ेगा और देश को विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देगा। अपनी यात्रा के दौरान, डॉ. यादव टोक्यो, ओसाका और कोबे में व्यापार जगत के नेताओं से मिलेंगे और मध्यप्रदेश को निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में बढ़ावा देंगे। इस यात्रा का एक प्रमुख आकर्षण जापानी निवेशकों को 'इन्वेस्ट इन मध्य प्रदेश-ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025' में भाग लेने के लिए आमंत्रित करना है, जहां जापान एक भागीदार देश होगा।

मुख्यमंत्री जापान दौरे के पहले दिन 28 जनवरी को टोक्यो में विभिन्न महत्वपूर्ण बैठकों और कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री टोक्यो (जापान) में भारत के राजदूत सिबी जॉर्ज के साथ बैठक में जापान के निवेशकों और औद्योगिक संस्थानों के प्रमुखों के साथ मध्यप्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों के बढ़ावा देने वाले क्षेत्रों और संभावनाओं के विषयों पर चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री 'फ्रेंड्स ऑफ एमपी-जापान' टीम के साथ भेंट करेंगे और सहयोग के विभिन्न विषयों और गतिविधियों पर चर्चा करेंगे। इसके बाद टोयोटा मोटर कॉरपोरेशन के वरिष्ठ अधिकारियों, तकायुकी कान्नो, तोशियुकी नाकाहारा और मसाहिरोनोगी के साथ औद्योगिक और निवेश सहयोग के विषय पर बैठक करेंगे।एदोगावा में गांधी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 28 जनवरी को दोपहर में, गांधी पार्क, एदोगावा जाएंगे, जहां वे महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में 'सेलिब्रेटिंग इंडिया-जापान रिलेशनशिप - फोकस मध्यप्रदेश' रोड-शो में सहभागिता करेंगे। इस कार्यक्रम में भारत और जापान के सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने और मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों और सहयोग के विषयों पर चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव टोक्यो मेट्रोपॉलिटन गवर्नमेंट भवन में गवर्नर युरिको कोइके से मुलाकात करेंगे। साथ ही राजदूत सिबी जॉर्ज द्वारा इंडिया हाउस में आयोजित रात्रि भोज में शामिल होंगे।

सीएम यादव के जापान में ये भी हैं कार्यक्रम

29 जनवरी को जापान बिजनेस फेडरेशन जैसे प्रमुख संगठनों और ब्रिजस्टोन जैसे उद्योग दिग्गजों के साथ चर्चा का दिन प्रमुख रहेगा।अगले दिन सीएम कोबे और ओसाका का दौरा करेंगे, जहां वे सिस्मेक्स और पैनासोनिक एनर्जी जैसी प्रमुख कंपनियों के अधिकारियों से मिलेंगे। वे मध्य प्रदेश में निवेश के अवसरों पर एक संवादात्मक सत्र में भी भाग लेंगे। 31 जनवरी को डॉ. यादव टोक्यो में अपनी यात्रा समाप्त करने से पहले क्योटो में सांस्कृतिक और औद्योगिक स्थलों का दौरा करेंगे।

ईडी, आईटी और लोकायुक्त के छापे के बाद से फरार चल रहे सौरभ शर्मा ने वकील के जरिये कोर्ट में दिया आवेदन

करोड़पति कांस्टेबल के सरेंडर पर तीन घंटे चला ड्रामा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। ईडी, आईटी और लोकायुक्त के छापे के बाद से फरार चल रहे आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा ने सोमवार को वकील राकेश परासर के जरिए कोर्ट में सरेंडर के लिए आवेदन दिया है। इस पर कोर्ट ने सुनवाई के लिए मंगलवार 11 बजे लोकायुक्त पुलिस से केस की डायरी लाने को कहा गया है। इससे पहले कोर्ट में करोड़पति कांस्टेबल सौरभ शर्मा के सरेंडर करने को लेकर तीन घंटे ड्रामा चला। सौरभ शर्मा के वकील राकेश परासर ने बताया कि दोपहर 12 बजे के करीब फर्स्ट एडीजे आरपी मिश्रा की कोर्ट में सरेंडर का आवेदन दिया और सौरभ ने सरेंडर कर दिया। परासर ने कहा कि कोर्ट ने लोकायुक्त से केस डायरी के साथ मंगलवार 11 बजे आने को कहा है। इसकी जानकारी के बाद लोकायुक्त पुलिस भी कोर्ट पहुंची। इसके बाद लोकायुक्त डीजी जयदीप प्रसाद ने बताया कि हमें जानकारी मिली है कि सौरभ शर्मा की तरफ से उनके वकील ने आवेदन दिया है कि वह सरेंडर करना चाहता है। सौरभ कहां है इसके बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है। कोर्ट में वकील की तरफ से सरेंडर का आवेदन देने के बाद सौरभ शर्मा की मुश्किलें बढ़ गई है। अब सौरभ शर्मा के भोपाल में होने की जानकारी के बाद एजेंसियां भी

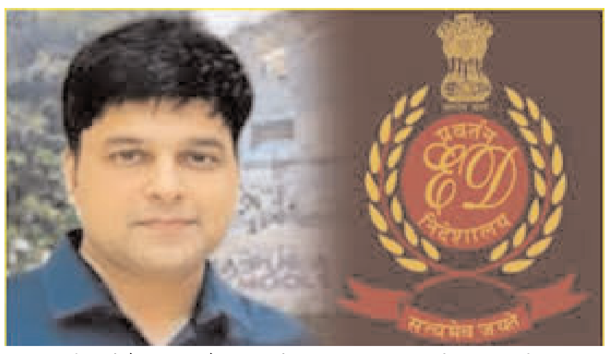

सक्रिय हो गई है। अब सौरभ शर्मा के कोर्ट में सरेंडर करने से पहले एजेंसियां उसको गिरफ्तार करने जुट गई है। हालांकि लोकायुक्त पुलिस के सूत्रों के अनुसार अभी सौरभ कहां है, उसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

अग्रिम जमानत याचिका हो चुकी है खारिज

पहले सौरभ शर्मा ने अपने वकील के जरिये भोपाल जिला न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका लगाई थी। कोर्ट ने इसके खारिज कर दिया था। इसके बाद से ही सौरभ के आत्म समर्पण के आसार बढ़ गए थे। इधर सौरभ शर्मा की संपत्तियों को लेकर आयकर विभाग और ईडी ने भी जांच शुरू कर दी है। अब सौरभ के सरेंडर करने के बाद ही दोनों एजेंसियां उससे पूछताछ कर पाएंगी। बता दें कि मध्यप्रदेश के परिवहन विभाग में हुए काले धन के घोटाले के मुख्य आरोपी सौरभ शर्मा की लंबे समय तक तलाश जारी है। जांच में शामिल विभिन्न केंद्रीय और राज्य एजेंसियां-लोकायुक्त पुलिस, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग भी उसकी तलाश में है। सौरभ शर्मा के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया है, जबकि दोनों केंद्रीय एजेंसियों ने समन जारी किए है।

7.98 करोड़ रुपये की चल संपत्ति जब्त की थी

सौरभ शर्मा के भोपाल स्थित अरेरा कॉलोनी स्थित निवास और ऑफिस पर लोकायुक्त ने छापेमारी की थी। इस दौरान लोकायुक्त ने उसके निवास से 7.98 करोड़ रुपए की चल संपत्ति जब्त की थी।

इसमें 235 किलो चांदी और 2.87 करोड़ रुपए नगद मिले थे। शर्मा ने भ्रष्ट तरीके से अर्जित आय का उपयोग अपनी मां, पत्नी, रिश्तेदारों और करीबियों के नाम पर संपत्ति बनाने में किया था। उसके करीबी चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल के नाम पर स्कूल और होटल स्थापित करना भी शामिल है। सौरभ के खिलाफ विभिन्न राज्यों में प्रॉपर्टी निवेश की जानकारी भी सामने आई है। लोकायुक्त की कार्रवाई के बीच ही भोपाल के मेंडोरी गांव में आयकर विभाग की टीम ने सोना लदी कार जब्त की थी। इस कार में 52 किलो सोना और 11 करोड़ रुपए जब्त किए गए। यह कार सौरभ के करीबी चेतन सिंह गौर के नाम पर रजिस्टर्ड थी। इस कार्रवाई के सात दिन बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सौरभ और उसके करीबियों के भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर स्थित ठिकानों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई में ईडी ने 23 करोड़ रुपए की चल संपत्ति जब्त की थी।

नियुक्ति पर भी उठे हैं सवाल

सौरभ शर्मा के पिता स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टर थे, उनकी मृत्यु के बाद सौरभ ने अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। स्वास्थ्य विभाग में पद नहीं होने पर सौरभ को परिवहन विभाग में आरक्षक के पद पर 2016 में नियुक्ति मिली थी। इस बीच सौरभ शर्मा की नियुक्ति की तरफ से दिए गए शपथ पत्र को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं, जिसमें बताया जा रहा है कि उसमें गलत जानकारी देकर नौकरी पाई गई। सौरभ ने सिर्फ 2023 तक सात साल काम किया और अकूत संपत्ति कमाई। सौरभ परिवहन विभाग की चेकपोस्ट से होने वाली अवैध कमाई का कलेक्शन करने काम करता था।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने किया लोकरंग उत्सव का उद्घाटन

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के रविंद्र भवन में आयोजित लोकरंग उत्सव का उद्घाटन राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश की सांस्कृतिक जड़ें सदियों से मजबूत रही हैं और हमें इन्हें संरक्षित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। राज्यपाल ने लोक कला और संस्कृति के संरक्षण के प्रयासों में सरकार और समाज के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। साथ ही, उन्होंने उपस्थित जनों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं भी दी। राज्यपाल ने कार्यक्रम के दौरान साहित्यकारों को राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया और गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह के विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। इसके अतिरिक्त, संस्कृति विभाग द्वारा तैयार किए गए घुमंतु जनजातियों के भाषाकोष की वेबसाइट और पुस्तकों का लोकार्पण किया। उन्होंने दुर्लभ वाद्य यंत्रों की प्रदर्शनी का भी शुभारंभ किया और संस्कृति विभाग की जनजातीय और लोक कला के विविध पहलुओं पर आधारित आयोजनों की सराहना की। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि इस दिशा में राज्य सरकार युवाओं और भावी पीढ़ी को जोड़ने के साथ-साथ सांस्कृतिक आयोजनों में जनजातीय एवं ग्रामीण अंचल की प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर रही है। उन्होंने प्रदेश में आयोजित खजुराहो नृत्य उत्सव, तानसेन समारोह, कुम्भ कथक और गीता पाठ जैसे आयोजनों का उल्लेख किया और इनकी सफलता की सराहना की।

500 से अधिक दुर्लभ वाद्यंत्रों की प्रस्तुति

राज्यपाल ने संस्कृति के विभिन्न आयामों को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि सांस्कृतिक आयोजनों से राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रीयता को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपनी संस्कृति का संरक्षण करने के लिए जनजातीय सेनानियों के शौर्य और बलिदान से प्रेरणा लें। इस दौरान प्रमुख सचिव संस्कृति और पर्यटन शिव शेखर शुक्ला ने लोकरंग उत्सव की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 500 से अधिक दुर्लभ वाद्ययंत्रों की प्रदर्शनी लगाई गई है और 20 से अधिक राज्यों के कलाकार अपनी संस्कृति का प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फ्रांस, लेबनान, और जर्मनी की टीमें भी अपनी पारंपरिक लोक नृत्य प्रस्तुत करेंगी। प्रमुख सचिव ने यह भी बताया कि 200 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं, जहां प्रदेश की हस्तकला, शिल्प और पाक कला का प्रदर्शन किया जा रहा है।

कला और संस्कृति की विभूतियां सम्मानित

राज्यपाल ने साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में सुदीर्घ साधना करने वाले विभूतियों को शॉल, श्रीफल और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। इस साल के राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान विवेकानंद नीडम ग्वालियर और भारत भारती शिक्षा समिति बैतूल को प्रदान किए गए। वहीं, राष्ट्रीय कबीर सम्मान श्री रामदरश मिश्र और राष्ट्रीय मैथिलीशरण गुप्त सम्मान डॉ. देवेन्द्र दीपक को दिया गया। इसके अलावा, गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल परेड सैन्य दल श्रेणी के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को पहला, स्पेशल टास्क फोर्स को दूसरा और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को तीसरा स्थान मिला। असैन्य दल श्रेणी में भूतपूर्व सैनिक, एन.सी.सी. सीनियर बॉयज और सीनियर गर्ल्स को सम्मानित किया गया।

बोर्ड परीक्षा के चलते 70 से ज्यादा लाउडस्पीकर पर हुई कार्रवाई

भोपाल। बोर्ड परीक्षा के मद्देनजर भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने 4 दिन पहले लाउडस्पीकर और डीजे को लेकर आदेश जारी किए थे। इसके बाद फ्लाइंग स्क्वाड बनाकर सभी एसडीएम कार्रवाई के लिए मैदान में उतर गए। अब तक 70 से अधिक लाउडस्पीकर उतारे जा चुके हैं। कलेक्टर सिंह के जारी आदेश के मुताबिक, रात 10 से सुबह 6 बजे तक किसी भी प्रकार का साउंड सिस्टम बंद रहेगा। वहीं, डीजे यूनिट पर सिर्फ एक साउंड सिस्टम ही लगा सकेंगे। कलेक्टर सिंह ने यह प्रतिबंधात्मक आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत जारी किए हैं। इसमें जिले के सभी धार्मिक स्थल, औद्योगिक, कमर्शियल, रहवासी में ध्वनि यंत्रों (लाउडस्पीकर, डीजे) के अनियंत्रित एवं नियम खिलाफ प्रयोग पर रोक लगाने की बात कही गई है। कलेक्टर के आदेश के बाद एसडीएम के नेतृत्व में टीमें मैदान में उतर गई है। पिछले 4 दिन से कार्रवाई चल रही है। अकेले कोलार में ही 30 से ज्यादा लाउडस्पीकर उतारे जा चुके हैं। गोविंदपुरा क्षेत्र में 17 लाउडस्पीकर हटाए गए। एसडीएम रवीशकुमार श्रीवास्तव ने बताया, कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। ताकि, बच्चों को परीक्षा की तैयारी करने में दिक्कतें न आए। कलेक्टर के आदेश में लिखा है कि सार्वजनिक आपात स्थिति को छोड़कर रात 10 से सुबह 6 बजे तक पूरे जिले में सभी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्रों एवं तीव्र संगीत का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। सभी डीजे संचालक, होटल, रेस्टोरेंट और बार को डीजे यूनिट के संचालन का नियमानुसार लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। किसी भी डीजे यूनिट पर अधिकतम एक साउंड सिस्टम (जिनकी ध्वनि निर्धारित मापदंडों के अनुसार अथवा उससे कम का हो) का ही उपयोग किया जा सकेगा। ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग सुबह 6 से रात 10 बजे तक एसडीएम, पुलिस उपायुक्त की अनुमति से किया जा सकेगा, लेकिन यह अनुमति 2 घंटे से अधिक की नहीं होगी। ध्वनि विस्तारक विस्तारक यंत्रों के उपयोग की अनुमति कार्यक्रम परिसर में ही दी जाएगी। ध्वनि विस्तारक यंत्र के उपयोग के लिए दी गई अनुमति में भारत सरकार द्वारा निर्धारित नियमों का उल्लेख किया जाए।

एम्स के डॉक्टर ने मेडिकल छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए बनाई डिवाइस

फैशिया डिसेक्शन डिवाइस को मिला पेटेंट

भोपाल। एम्स भोपाल की शरीर रचना विभाग की प्रोफेसर, डॉ. सुनीता अठावले को हाल ही में उनके द्वारा विकसित किए गए हैंडहेल्ड इलेक्ट्रिकली पावर्ड फैशिया डिसेक्शन डिवाइस के लिए पेटेंट प्रदान किया गया है। यह उपकरण मुख्य रूप से मेडिकल छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए बनाया गया है, जो संरक्षित शरीरों पर अध्ययन करते हैं। डॉ. सुनीता अठावले ने बताया कि जब शरीर को रसायनों से संरक्षित किया जाता है, तो उनके ऊतक (टिशू) सख्त हो जाते हैं, जिससे उन्हें काटना और अध्ययन करना मुश्किल हो जाता है।

यह उपकरण इस समस्या को हल करने में मदद करता है और शरीर के अंगों व संरचनाओं को अधिक स्पष्ट रूप से देखने में सहायता करता है। इस डिवाइस में एक वेरिएबल-स्पीड मोटर लगी है, जिसकी गति को जरूरत के अनुसार कम या ज्यादा किया जा सकता है, जिससे फैशिया (एक पतली झिल्ली जो मांसपेशियों और अंगों को ढकती है) को आसानी से और सटीक रूप से हटाया जा सकता है। डॉ. सुनीता अठावले ने बताया कि इसके अलावा, इसमें एक नवीन प्रॉन्ग सिस्टम शामिल है, जो शरीर के ऊतकों को बेहतर तरीके से पकड़ने और हटाने में मदद करता है, जिससे शारीरिक संरचनाओं को अधिक स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। इस उपकरण का एर्गोनॉमिक डिजाइन इसे पकड़ने और लंबे समय तक उपयोग करने के लिए आरामदायक बनाता है, जिससे हाथों में थकान कम होती है। इस डिवाइस का पेटेंट प्राप्त होना भारत में चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। एम्स के डायरेक्टर प्रो. अजय सिंह ने इस उपलब्धि पर गर्व जताते हुए कहा कि यह पेटेंट एम्स भोपाल की नवाचार और उत्कृष्टता को दर्शाता है। हैंडहेल्ड इलेक्ट्रिकली पावर्ड फैशिया डिसेक्शन डिवाइस एक उन्नत उपकरण है, जो शैक्षणिक और चिकित्सा क्षेत्र को शारीरिक विच्छेदन से जुड़ी दीर्घकालिक चुनौतियों के लिए एक व्यावहारिक समाधान प्रदान करेगा।

ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में 15 हजार से अधिक निवेशक शामिल होंगे

जीआईएस 2025 का आयोजन 24 और 25 फरवरी को

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश की ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट (जीआईएस) 2025 का आयोजन 24 और 25 फरवरी को आयोजित हो रही है। भोपाल के राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में आयोजित होने वाली समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। इसकी तैयारी प्रदेश सरकार ने शुरू कर दी है। प्रदेश में औद्योगिक विकास में जापान सहयोगी भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को जापान की यात्रा पर रवाना होने से पहले रविवार को

श्यामला हिल्स स्थित राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में आयोजित होने वाली जीआईएस की तैयारियों को देखा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत में कहा कि प्रदेश में वर्ष 2025 को उद्योग और रोजगार वर्ष घोषित किया गया है। इस दौरान प्रत्येक माह उद्योगों की स्थापना और निवेश को प्रोत्साहित करने की गतिविधियां होंगी। जापान यात्रा से इसकी शुरुआत हो रही है। अगले माह भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन की भव्य तैयारियों के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। इस समिट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उपस्थित होकर मार्गदर्शन देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल में 24 और 25 फरवरी को हो रही जीआईएस में 30 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह प्रयास है कि प्रतिभागी देशों की संख्या 50 तक हो जाए। दो दिन तक चलने वाली समिट में 15 हजार से अधिक इन्वेस्टर्स प्रतिभागी बनेंगे। यह सम्मेलन उद्योगपतियों के लिए आकर्षण का केंद्र होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समिट के व्यवस्थित आयोजन के लिए योजना बनाकर प्रतिभागियों की अपेक्षा एवं आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रयास करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं। हम सब का सौभाग्य है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट पहली बार भोपाल में हो रही है। उद्योग एवं रोजगार वर्ष 2025 नए दौर की नई कहानी लिखेगा। भोपाल एक सुंदर शहर और राजधानी भी है। समिट में आने वाले अतिथियों को यहां की बड़ी झील भी आकर्षित करेगी। मध्यप्रदेश सबसे बड़ा जनजातीय बहुल प्रदेश है। यहां जनजातीय समुदाय ने अपनी हजारों वर्ष पुरानी जीवन शैली और संस्कृति को सुरक्षित रखा है। भोपाल के राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों की विविध प्रकार की जनजातीय संस्कृति का चित्रण किया गया है। समिट के प्रतिभागी इस विविधता के दर्शन कर सकेंगे।

एक जिला एक उत्पाद की अनूठी प्रदर्शनी लगेगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि समिट में चार प्रमुख विभागीय सम्मेलन, प्रवासी सत्र, सेक्टोरल सैशन और बायर-सेलर मीट के साथ ही ऑटो और टेक्सटाइल एक्सपो की नई प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन किया जाएगा। एक जिला एक उत्पाद की अनूठी प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

सम्पादकीय

धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल बंद नहीं हुआ

वर्तमान ध्रुवीकृत समाज में लाउडस्पीकरों का बेलगाम शोर प्रतिष्ठा का मुद्दा बन जाता है। लोग परेशान होने पर भी शिकायत नहीं करते। उन्हें डर होता है कि धार्मिक समूह उन्हें निशाना बना सकते हैं। विडंबना यह है कि नियामक एजेंसियां भी स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई नहीं करती। इस बाबत दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार शोर-शराबे पर काबू करे। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल किसी भी धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है।

गाहे-बगाहे कोर्ट की सख्ती के बावजूद विभिन्न धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल बंद नहीं हुआ। दिनभर के थके-हरे लोग जब घर में आराम करते हैं तो लाउडस्पीकरों की तीव्र ध्वनि उनकी शांति में खलल डालती है। डॉक्टर भी कहते हैं कि नींद में किसी भी तरह का व्यवधान व्यक्ति के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है। फिर जो लोग पहले से बीमार होते हैं,उनके लिये तो तेज शोर असहनीय होता है। लेकिन वर्तमान ध्रुवीकृत समाज में लाउडस्पीकरों का बेलगाम शोर प्रतिष्ठा का मुद्दा बन जाता है। लोग परेशान होने पर भी शिकायत नहीं करते। उन्हें डर होता है कि धार्मिक समूह उन्हें निशाना बना सकते हैं। विडंबना यह है कि नियामक एजेंसियां भी स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई नहीं करती। इस बाबत दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार शोर-शराबे पर काबू करे। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल किसी भी धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। इसलिए ध्वनि प्रदूषण के नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने पुलिस से कहा कि धार्मिक स्थलों पर लगाए गए लाउडस्पीकरों के शोर को मापने के लिए ऐप का प्रयोग करे ताकि नियम का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा सके। उन पर जुमार्ना लगे। फिर भी उल्लंघन होने पर प्रबंधकों व संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। यहां तक कि कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिए कि शिकायतकर्ता की सुरक्षा के मद्देनजर उसकी पहचान गोपनीय रखी जाए। साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों के भीतर ऐसा सिस्टम लगे, जो उसकी ध्वनि के स्तर को स्वतः नियंत्रित करे। न्यायाधीशों की दो सदस्यीय बेंच ने माना कि निर्धारित मानक से अधिक शोर सेहत पर प्रतिकूल असर डालता है। अतः कोई व्यक्ति इसके इस्तेमाल को अपना अधिकार नहीं बता सकता। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार धार्मिक स्थलों से होने वाले शोर पर नियंत्रण के लिये ठोस प्रयास करे। कोर्ट ने राज्य सरकार से यह भी कहा कि ध्वनि विस्तारक यंत्रों तथा जनसमूह को संबोधित करने वाले सिस्टम की शोर सीमा को नियंत्रित करे। नियामक एजेंसियां निगरानी व शोर नापने के लिये ऐप प्रयोग करे। नियमानुसार दिन में ध्वनि का स्तर 55 तथा रात में 45 डेसिबल से अधिक नहीं हो। दरअसल, मुंबई में कुर्ला क्षेत्र में एक धार्मिक स्थल से निर्धारित मानकों से अधिक स्तर का ध्वनि प्रदूषण रोकने में पुलिस की निष्क्रियता के खिलाफ यह याचिका दायर की गई थी। वास्तव में लोग तभी शिकायत करते हैं जब ध्वनि का स्तर सहने की सीमा पार कर जाता है। अदालत ने शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रख कर कार्रवाई करने को कहा ताकि उसे सांप्रदायिक आधार पर निशाना न बनाया जा सके। यदि जुमार्ना लगाने के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो पुलिस धार्मिक स्थल पर लगे लाउडस्पीकर को जब्त करे। फिर उसके लाइसेंस को रद्द करने की कार्रवाई करे। साथ ही ध्वनि प्रदूषण नियंत्रक नियमों तथा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत भी कार्रवाई हो। कोर्ट माना कि कठोर कानून के अभाव में लाउडस्पीकरों के उपयोगकर्ता नियम-कानून को नजरअंदाज करने लगते हैं। नियामक एजेंसियों की निष्क्रियता पर चिंता जताते हुए अदालत का कहना था कि लोग ध्वनि प्रदूषण को लेकर संविधान में वर्णित अभिव्यक्ति व धार्मिक आजादी का तर्क देते हैं, लेकिन इस पर रोक लगाना किसी भी स्थिति मे मौलिक अधिकारों का अतिक्रमण नहीं है।

सवाल तो आठ घंटे भी ईमानदारी से काम करने का है

लोगों से विकसित भारत बनाने के लिए वर्कहॉलिक बनने के नसीहत के बावजूद खुद सुब्रह्मण्यन की कंपनी 70 हजार करोड के पनडुब्बी बनाने के भारतीय नौसेना के बड़े ठेके से हाथ धो बैठी है। अलबत्ता सुब्रह्मण्यन उस संगठित सरकारी क्षेत्र के बारे में कुछ नहीं बोले, जहां समस्या 13 घंटे काम तो दूर 8 घंटे भी ईमानदारी के काम न करने की है। भारत में सरकारी तंत्र की अपनी एक कार्य संस्कृति है और जो अभी भी औपनिवेशिक मानसिकता से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाई है।

हफ्ते में 90 घंटे यानी हर रोज औसतन 13 घंटे काम करने के एलएंडटी चेयरमैन एस.एन. सुब्रह्मण्यन के 'नेक' सुझाव पर सार्वजनिक बवाल की लपटें अब आरएसएस और भाजपा तक जा पहुंची हैं। ज्यादातर लोगों और यहां तक कि अधिकांश उद्योगपतियों ने भी सुब्रह्मण्यन के सुझाव को सिरे से खारिज कर दिया है। जबकि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ में इसको लेकर अलग-अलग राय है। गौरतलब है कि सुब्रह्मण्यन ने जो कहा था, वो मुख्य रूप से निजी और कॉरपोरेट क्षेत्र के संदर्भ में था। यह बात अलग है कि लोगों से विकसित भारत बनाने के लिए वर्कहॉलिक बनने के नसीहत के बावजूद खुद सुब्रह्मण्यन की कंपनी 70 हजार करोड के पनडुब्बी बनाने के भारतीय नौसेना के बड़े ठेके से हाथ धो बैठी है। अलबत्ता सुब्रह्मण्यन उस संगठित सरकारी क्षेत्र के बारे में कुछ नहीं बोले, जहां समस्या 13 घंटे काम तो दूर 8 घंटे भी ईमानदारी के काम न करने की है। भारत में सरकारी तंत्र की अपनी एक कार्य संस्कृति है और जो अभी भी औपनिवेशिक मानसिकता से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाई है।

ये वो सेक्टर है, जिसमे देशभर में दो करोड़ से ज्यादा लोग काम करते हैं और अन्य क्षेत्रों की तुलना में औसतन बेहतर वेतन, भत्ते पाते हैं। इस सेक्टर के पास सारे संवैधानिक और कानूनी अधिकार है और जिनकी नौकरी की सुरक्षा लगभग अभेद्य है। यह कहना गलत नहीं होगा कि अगर सरकारी क्षेत्र में 8 घंटे भी वास्तविक काम होने लगे तो देश खुद ब खुद तेजी आगे बढ़ जाएगा।

वर्ष 2025 अपने अलग तरह के आगाज के लिए याद रखा जाएगा। पहला तो ज्यादा काम करने की नसीहत और दूसरा महाकुंभ जैसे धार्मिक आयोजन में रीलबाजो की धूम। हालांकि, वो अलग विषय है। भारत जैसे हाथी की चाल चलने वाले देश में न सिर्फ डटकर बल्कि तयशुदा समय से ज्यादा काम करने की सलाह देना या अपेक्षा रखना भी जोखिम भरा है। लगता है एलएंडटी चेयरमैन ने बर्र के छत्ते में हाथ डाल दिया है। इस साल के आरंभ में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डालकर सभी को चौंका दिया था कि भारतीयों को सप्ताह में 90 घंटे और रविवार को भी काम करना चाहिए।

सुब्रह्मण्यन ने इसी के साथ एक व्यंग्यात्मक सवाल भी किया कि आखिर आप पत्नी को घर में कितनी देर तक निहार सकते हैं? इसका भावार्थ यही था कि अपनी (सुंदर) पत्नी को निहारने में वक्त जाया करने के बजाए आप कुछ रचनात्मक काम करें। हो सकता है कि कुछ पत्नीप्रेमी प्राणि पत्नी को निहारने को भी रचनात्मक कर्म ही मानें।

बहरहाल सुब्रह्मण्यन इस पोस्ट के जरिए शायद यह जताना चाहते थे कि वो आज जिस मुकाम पर हैं, उसके पीछे घंटों काम करते रहने की तपस्या है। इसे नजरअंदाज कर आलोचको ने सवाल किया कि जो व्यक्ति आपके (सुब्रह्मण्यन) अधीन 8 घंटे काम करता है, उसकी तनख्वाह और आपकी तनख्वाह में 500 गुने का अंतर है। अगर इतनी मोटी तनख्वाह मिलेगी तो कोई भी 90 तो क्या 100 घंटे काम के लिए भी तैयार हो जाएगा। आखिर एक हफ्ते में कुल 168 घंटे होते हैं। सुब्रह्मण्यन के पहले इंफोसिस के

मालिक नारायणमूर्ति भी लोगों से कह चुके थे कि अगर भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो हमे सप्ताह में 70 घंटे काम करने की आदत डालनी चाहिए। सुब्रह्मण्यन ने इसमें 20 घंटे और जोड़ दिए। उनकी पोस्ट पर एक उद्योगपति ने अदार पूनावाला ने जवाब दिया कि मुझे तो अपनी सुंदर पत्नी को रविवार को भी घूरना पसंद है। लोगों ने सुब्रह्मण्यन को इस बात के लिए ट्रोल किया कि वो इंसान को समझते क्या हैं? आखिर कोल्हू के बैल को भी कुछ समय विश्राम देना पड़ता है। मानवीय गरिमा तथा शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य का कोई मतलब है या नहीं? यूं कुछ लोगों के लिए काम ही तंदुरूस्ती की खुराक होती है, लेकिन ज्यादातर के लिए 8 घंटे से ज्यादा काम शारीरिक और मानसिक अस्वस्थता का कारण भी बन सकता है। इसी मुद्दे पर संघ में भी दोमत हैं। वर्क लाइफ बैलेंस को ध्यान में रखते हुए आरएसएस से जुड़े भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) और दत्तोपंत ठेंगड़ी फाउंडेशन (डीटीएफ) ने सुब्रह्मण्यन की पोस्ट को श्रमिकों की कब्रगाह पर औद्योगिक किस्मत बनाने की कोशिश बताते हुए इसकी निंदा की है। जबकि भाजपा में ही कई लोग काम के प्रति जुनून और स्टेमिना के संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उदाहरण देते हैं, जिनके लिए काम को घंटो में नापना बेमानी है।

कहा जाता है कि मोदी सिर्फ चार घंटे सोतेहैं। लेकिन यह एक अपवाद है। सभी के लिए और खासकर आम आदमी के लिए यह संभव नहीं है। आरएसएस से जुड़े पत्र ह्यऑर्गनाइजर में एक लेख में सी.के. साजी नारायणन ने लिखा कि 90 घंटे का वर्किंग वीक लाइफ की क्वालिटी और मानवीय गरिमा के सिद्धांत का खंडन करता है। वर्कहॉलिक की कैटेगरी में अत्यधिक काम करने को आदर्श बनाना एक अस्वस्थ मानसिक जुनून है जिसे ओसीडी (ऑब्सेसिव-कंपल्सिव डिसऑर्डर) कहा जाता है।

वैसे अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और विश्व स्वास्थ्य संगठन भी आठ घंटे श्रम को ही सही मानता है। इससे ऊपर काम लेना या करना ओवरटाइम हो सकता है। यूं दुनिया में 20 सदी के पहले तक काम करने या काम लेने की कोई स्पष्ट समय सीमा नहीं थी।

खासकर मजदूरो से जानवरों की तरह काम लिया जाता है। औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप मजदूर संगठनों में भी श्रम अवधि को लेकर चेतना आई और बड़े आंदोलन हुए। सबसे पहले उरूग्वे में 1915 में श्रमिकों से आठ घंटे काम लेने का कानून बना। भारत में भी सप्ताह में 48 घंटे काम और एक दिन साप्ताहिक अवकाश का नियम लागू है। कई लोगो का तर्क है कि काम के घंटे से ज्यादा काम की गुणवत्ता ज्यादा मायने रखती है। भारत में काम के मुख्य रूप से दो क्षेत्र ही हैं। सरकारी और निजी। लेकिन काम के मामले में दोनो के चरित्र और आग्रह अलग-अलग हैं। सरकारी तंत्र नियंता की भूमिका, तमाम छुट्टियों, अन्य सुविधाओं, नौकरी की गारंटी के बावजूद आठ घंटे भी ठीक से काम नहीं होता।

कर्तव्य बोध का अभाव, काम समय पर न करना, होते काम में अड़ंगे लगाना, समय पर निर्णय न लेना, कछुए की चाल से काम करना, नागरिकों को सरकार का गुलाम समझना, लोक सेवा की जगह अपने हितो को सर्वोपरि मानना, गलतियों पर अमूमन कोई कार्रवाई न होना आदि इस सेक्टर की ऐसी ह्यविशेषताएंह्ल हैं, जो सुब्रह्मण्यन साहब को उनकी पूर्ववर्ती रेलवे की नौकरी लंबे समय तक करने के कारण याद ही होंगी। निजी क्षेत्र में कुछेक अपवाद छोड़ दें तो आदमी काम की चक्की में पिसता ज्यादा है। वहां अमानवीयता की हद तक शोषण है। ऐसे में आदमी काम के घंटे गिनना भी भूल जाता है और इसके बदले जो मेहनताना मिलता है, वह तुलनात्मक रूप से काफी कम होता है।

जहां तक भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की बात है तो केवल निजी क्षेत्र में 90 घंटे की बात करने से बात नहीं बनेगी। सरकारी क्षेत्र का वर्क कल्चर जब तक नहीं बदलता प्रगति की गाड़ी एक पहिए पर नहीं दौड़ सकती।

पाठ्यक्रमों में बदलाव सत्ता पाने का हथियार

देश के नेताओं ने सत्ता पाने के लिए शिक्षा को भी राजनीतिक हथियार बनाया है। सत्ता बदलते ही नेता अपनी विचाराधारा के हिसाब से स्कूल-कॉलेजों के पाठ्यक्रमों में बदलाव करके वोट बैंक को पक्का करने की जुगत में लगे रहते हैं। विद्यार्थी इन सबके बीच फुटबाल बने रहते हैं। उन्हें वही पढ़ना होता है जोकि सरकारें उन्हें पाठ्यक्रमों के जरिए पढ़ाती हैं। बेशक तथ्य तोड़-मरोड़ कर ही क्यों न पेश किए जाएं। हालात यह हैं कि सत्ता में बदलाव के साथ पाठ्यक्रम भी बदलते रहते हैं। देश में शिक्षा में इस तरह के बदलाव पर लंबे अर्से से बहस छिड़ी हुई है। राजनीतिक दल बदलाव को लेकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहते हैं। इसी कड़ी में नया विवाद कर्नाटक में हुआ है। कर्नाटक यूनिवर्सिटी की किताब के सिलेबस को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि इसमें गलत शब्दों का इस्तेमाल किया गया। कर्नाटक विश्वविद्यालय के अंडरग्रेजुएट विद्यार्थियों के पहले सेमेस्टर की किताब में ऐसा कंटेंट लिखा गया है, जिससे भारत की एकता बाधित होती है। कथित तौर पर सिलेबस में संघ परिवार, राम मंदिर के निर्माण और भारत माता आदि की आलोचना की गई थी और कुछ गलत शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। सिलेबस में आरएसएस की आलोचना करने के लिए बार-बार संघ परिवार जैसे शब्दों का उपयोग करने का आरोप लगाया गया है। इससे पहले जब कर्नाटक में भाजपा की सरकार थी, तब पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर इसी तरह के आरोप लगाए गए थे।

कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने सत्ता में आने पर आरोप लगाए थे कि पूर्ववर्ती सिद्धारमैया सरकार ने महज अल्पसंख्यक समुदाय के तुष्टिकरण और कम्युनिस्ट विचारधारा थोपने के लिए किताबों में विभिन्न बदलाव किए थे।

इस दावे की पुष्टि करते हुए सरकार ने कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए संशोधनों को दिखाने के लिए 200 पृष्ठों की किताब भी जारी की थी, जिसमें पाठ्य पुस्तकों में हिंदू देवताओं और ऐतिहासिक आंकड़ों को गलत तरीके से पेश किया गया। भाजपा का आरोप था कि विजयनगर के शासकों, मैसूर राजाओं वडियारों, राष्ट्र कवियों कुवेम्पु, बेंगलुरु के संस्थापक केम्पेगौड़ा और सर एम. विश्वेश्वरैया पर अध्यायों को या तो हटा दिया गया या उन पर सामग्री कम कर दी गई। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने टीपू सुल्तान, मोहम्मद गजनवी, हैदर अली और मुगलों का बखान किया। सत्ता में आने पर भाजपा ने टीपू, हैदर अली, गजनवी और मुगलों पर अध्यायों को अब हटा दिया और स्वतंत्रता सेनानियों तथा मराठा शासक शिवाजी और केम्पेगौड़ा जैसी ऐतिहासिक शख्सियतों को पाठ्य पुस्तकों में प्रमुखता दी गई। राजनीतिक नजरिए से पाठ्यक्रमों में राज्य ही नहीं, केंद्र में जो भी सरकार सत्ता में रही, उसने अपनी दलीलों के साथ बदलाव किए हैं। यह सब किया जाता है देशहित और संस्कृति-सभ्यता के इतिहास को बचाने के नाम पर। वर्ष 2018 में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने कक्षा 12वीं के राजनीति विज्ञान पाठ्य पुस्तक में गुजरात दंगों के बारे में अध्याय जोड़ दिया गया। इस अनुच्छेद में दो परिवर्तन किए गए। अनुच्छेद में शामिल शीर्षक मुस्लिम विरोधी गुजरात दंगे को बदलकर गुजरात दंगे कर दिया गया। इसी अनुच्छेद के पहले वाक्य से मुस्लिम शब्द भी हटा दिया गया। अनुच्छेद के शीर्षक के अलावा अनुच्छेद के अंदर के पाठ को नहीं छुआ गया। गुजरात में भाजपा शासन के दौरान 2002 में हुए मुस्लिम विरोधी गुजरात दंगों का संदर्भ पाठ्य पुस्तकों से हटा दिया गया है, जबकि कांग्रेस शासन के दौरान हुए सिख विरोधी दंगों को बरकरार रखा गया। वर्ष 2014 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से यह तीसरी बार है, जब सरकार ने पाठ्य पुस्तक संशोधन की कवायद की। इससे पहले 2017 और 2019 में पाठ्य पुस्तकों में संशोधन किया गया था।

हटाए गए खंडों में मुगलों पर एक पूरा अध्याय शामिल है, जो एक मुस्लिम राजवंश था, जिसने भारत पर 200 वर्षों तक शासन किया और भारत के संस्थापक पिता मोहनदास करमचंद गांधी द्वारा हिंदू-मुस्लिम एकता की खोज की चर्चा से संबंधित पाठ को हटाया गया। गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे की ब्राह्मण उत्पत्ति और भाजपा के वैचारिक संरक्षक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर लगाए गए संक्षिप्त प्रतिबंधों को सुविधाजनक रूप से हटा दिया गया, जैसा कि 2002 के गुजरात में हुए सांप्रदायिक दंगों को भी हटाया गया। वर्ष 2022 में एनसीईआरटी ने स्कूलों की किताबों में बदलाव किए। इनमें प्राचीन और मध्ययुगीन काल से लेकर आधुनिक काल तक के बारे में अभी तक पढ़ाए जाने वाले कई तथ्यों को हटा दिया गया। मम्लूक, तुगलक, खिलजी, लोधी और मुगल साम्राज्य समेत सभी मुस्लिम साम्राज्यों के बारे में जानकारी देने वाले कई पन्नों को हटाया गया। जाति व्यवस्था से भी जुड़ी काफी जानकारी को हटा दिया गया, जैसे वर्ण प्रथा वंशानुगत होती है, एक श्रेणी के लोगों को अछूत बताना, वर्ण प्रथा के खिलाफ विरोध, 2002 के गुजरात दंगे, आपातकाल, नर्मदा बचाओ आंदोलन जैसे जन आंदोलनों आदि जैसी आधुनिक भारत की कई महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में जानकारी को भी हटा दिया गया। पाठ्य पुस्तकों से विवादास्पद हटाए गए तथ्यों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा था कि भाजपा-आरएसएस पाठ्य पुस्तक की सामग्री बदल सकते हैं, लेकिन वे इतिहास को नहीं मिटा सकते। भाजपा सरकार द्वारा पाठ्य पुस्तकों के भगवाकरण की व्याख्या करते हुए, केरल के कम्युनिस्ट पार्टी के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा था कि संघ परिवार इतिहास के निरंतर भय में रहता है, क्योंकि यह उनके असली चेहरे को उजागर करता है। वे इतिहास को फिर से लिखने और उसे झूठ से ढकने का सहारा लेते हैं। संघ परिवार में आरएसएस और भाजपा सहित उसके संबद्ध संगठन शामिल हैं। रोमिला थापर और जयंति घोष जैसे प्रख्यात शिक्षाविदों, जिन्होंने एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों के पिछले संस्करण लिखे हैं, ने एक सार्वजनिक बयान जारी कर हटाए गए शब्दों को वापस लेने की मांग की थी।

इन बदलावों को विभाजनकारी उद्देश्यों से प्रेरित बताते हुए बयान में कहा गया कि किताबें लिखने वालों से सलाह लेने का कोई प्रयास नहीं किया गया। यह एक ऐसा निर्णय है जो भारतीय उपमहाद्वीप के संवैधानिक लोकाचार और समग्र संस्कृति के खिलाफ है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए इतिहास के पाठ्यक्रम में अहम बदलाव किए। ये बदलाव सिंधु घाटी सभ्यता के उदय और पतन को लेकर हैं।

ये बदलाव हरियाणा के राखीगढ़ी में स्थित सिंधु घाटी सभ्यता के स्थल से प्राप्त प्राचीन डीएनए के अध्ययन के आधार पर किए गए। इस अध्ययन से माना जाता रहा कि आर्यों के आगमन का सिद्धांत गलत साबित होता है। सरकारों का जोर ज्यादातर राजनीतिक विज्ञान, समाज विज्ञान और हिंदी की पुस्तकों पर सुविधा के हिसाब से बदलाव पर जो रहा है। यह सिलसिला थमने वाला नहीं है। जो भी दल भविष्य में सत्ता में आएगा, पाठ्यक्रमों में फिर वही बदलाव का सिलसिला जारी रहेगा। इससे और कुछ हो न हो, पर विद्यार्थी दिग्भ्रमित जरूर होते हैं। इसलिए बेहतर है कि पाठ्यक्रमों में बदलाव के लिए देश के पुराविदों, शिक्षाविदों के साथ न्यायविदों को भी शामिल किया जाए ताकि चुनावी गणित के हिसाब से ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़ का सिलसिला बंद हो सके।

घोषणापत्र नहीं... लॉटरी पेश कर रहे हैं राजनीतिक दल

इस समय दिल्ली में सेल चल रही है। वैसे अक्सर सेल में 50 प्रतिशत या उससे भी ज्यादा की छूट दी जाती है लेकिन दिल्ली में चुनावी मौसम में चल रही सेल में 100 प्रतिशत की छूट है। यानि सब कुछ मुफ्त। सब कुछ मुफ्त देने से सरकारी खजाने को कितना नुकसान होगा इसकी परवाह किसी को नहीं है क्योंकि हर पार्टी विधानसभा में अपनी सीटें किसी भी कीमत पर बढ़ाने का प्रयास कर रही है। सब कुछ मुफ्त देने से दिल्ली में महंगाई का आलम क्या होगा यह सोचे बिना राजनीतिक दल गारंटियों पर गारंटियों की घोषणा किये जा रहे हैं। सब कुछ मुफ्त देने से लोगों का सशक्तिकरण होने की बजाय उनके निठल्ले बनने की संभावनाएं ज्यादा हैं लेकिन फिर भी सब कुछ फ्री देने की होड़ में राजनीतिक पार्टियां एक दूसरे से आगे निकली जा रही हैं। दिल्ली में प्रति व्यक्ति आय देश में सबसे ज्यादा है उसके बावजूद यहां के लोगों को फ्री में सुविधाएं हासिल करने की आदत लगा दी गयी है। सरकारी खजाने को लूटो और लुटाओ की नीति के चलते दिल्ली का राजस्व नुकसान हुआ, भ्रष्टाचार के अवसर बढ़े, दिल्ली का बजट घाटा बढ़ा लेकिन किसी को कोई परवाह नहीं है इसीलिए यह पहली बार देखने को मिल रहा है कि दिल्ली की सत्ता पाने को आतुर पार्टियां एक दो नहीं बल्कि अपने आधा आधा दर्जन घोषणापत्र जारी कर रही हैं। पहले चुनावों में किसी राजनीतिक दल का घोषणापत्र उसकी नीतियों, कार्यक्रमों और समस्याओं से निजात दिलाने की रूपरेखा प्रस्तुत करता था लेकिन आज पार्टियों का घोषणापत्र उनकी सत्ता लोलुपता को प्रदर्शित कर रहा है। देखा जाये तो यह घोषणापत्र नहीं बल्कि लॉटरी पेश करने जैसा है।

दिल्ली में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी की ही बात कर लें तो बिजली और पानी फ्री देने की राजनीति शुरू करने वाली इस पार्टी ने पैकेज के रूप में बिजली और पानी के साथ मौत भी फ्री ही रखी है क्योंकि इस पार्टी के राज में प्रदूषण की गंभीर स्थिति के चलते हर उम्र के लोगों को तमाम तरह की बीमारियां हो गयी हैं। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में जन लोकपाल लाने का वादा किया था लेकिन भ्रष्टाचार के नये रिकॉर्ड बना दिये, आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में शिक्षा क्रांति लाने का ढोल पीटा जबकि असल में एक बोतल पर दूसरी बोतल फ्री देकर दारू क्रांति लाई गयी। आम आदमी पार्टी ने सादगी और शुचिता की बात की थी लेकिन उसके नेता शीश महल में रहे और सुरक्षा का बड़ा अमला तथा अन्य सुख सुविधाओं को भोगते रहे। अब ह्यकेजरीवाल की गारंटीह्ल शीर्षक से पार्टी का जो घोषणापत्र जारी किया गया है वह भी खजाने को लुटाने का छलावा दिखा कर मतदाताओं के मत लूटने का प्रयास लगता है। हम आपको बता दें कि आम आदमी पार्टी के घोषणापत्र में 15 गारंटी का जिक्र है, जिसमें केजरीवाल ने अपनी पहली गारंटी के रूप में दिल्ली के निवासियों के लिए रोजगार सृजन के ठोस कदम का वादा किया है।

बहरहाल, देखा जाये तो मुफ्त सुविधाएं केवल अल्पकालिक राहत प्रदान करती हैं। जबकि लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल सिखाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। साथ ही मतदाताओं को इन लाभों की कीमत के बारे में पता होना चाहिए जो अंततः जनता की जेब से ही आती है। यहां तक कि निर्धनतम व्यक्ति भी अप्रत्यक्ष रूप से टैक्स दे रहा है। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि ऐसी योजनाएं महिलाओं को स्वतंत्र नागरिक के रूप में पहचान देती हैं, लेकिन वे अक्सर महिलाओं को केवल लाभार्थी के रूप में सीमित कर देती हैं। देश की सरकार जब भारत को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है तो नागरिकों को सिर्फ लाभार्थी तक सीमित करना गलत होगा क्योंकि सरकार पर निर्भर रह कर कोई व्यक्ति आत्मनिर्भर नहीं बन सकता और बिना हर नागरिक के योगदान के देश विकसित नहीं हो सकता।

संविधान से अर्जित आत्मविश्वास से किसी भी चुनौती का समाधान संभव - जिलाधिकारी मनीष बंसल

सभी अधिकारी और कर्मचारी सौंपे गए उत्तरदायित्वों का पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से करें निर्वहन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, भारतीय लोकतंत्र का महापर्व 76वां गणतंत्र दिवस जनपद भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ज़िला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल ने कलक्ट्रेट में ध्वजारोहण करने के साथ गणतंत्र के संकल्प की शपथ भी दिलायी। अपने उद्बोधन में जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल ने जनपदवासियों को गणतन्त्र दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हम एक देश, समाज और अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम लोगों को प्रशासनिक व्यवस्था में भी बहुत से चैलेंज आते हैं। और कई बार ऐसा लगता है ये कार्य किस तरह होगा। लेकिन हम सबके अन्दर एक शक्ति है कि अगर हम ठान लेते हैं तो कितना भी कठिन कार्य हो उसको हम कर ही लेते हैं। हमारी जो संवैधानिक व्यवस्था है उससे हमारे अंदर आत्मविश्वास आता है। संविधान सिर्फ एक दस्तावेज नहीं बल्कि यह हमारे आत्मविश्वास का प्रतीक है। जिस आत्मविश्वास से हम कठिन से कठिन कार्य आसानी से कर लेते हैं। जब से देश आजाद हुआ है हमारी सबसे बडी उपलब्धियों में से एक आत्मविश्वास हासिल करने की है। डीएम मनीष बंसल ने कहा कि आज हमें इस बात पर गर्व करना चाहिए कि हमारे देश के लोगों की विश्व के हर क्षेत्र में अपनी एक पहचान है। पहले जो देश हमारे देश के लोगों को हीनभावना से देखते थे आज वो भारतीयों की प्रतिभा का सम्मान कर रहे हैं। कोई भी क्षेत्र हों आज भारतीय उसको लीड कर रहे हैं। क्रिकेट हो या चेस हो भारतीय सबमें आगे हैं। आज के समय में जिस पर हम सबकी निर्भरता सबसे अधिक है यानी टेक्नोलाजी के क्षेत्र गूगल, माइक्रोसोफट, आईबीएम, एडोबे हो या यूट्यूब हो इन सभी कम्पनियों को भारतीय ही लीड कर रहे हैं। वास्तविकता में हम सबके लिए बहुत गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि इस आत्मविश्वास को हम सब अपने अन्दर बनाए रखे और अपनी आने वाली पीढियों को भी और ज्यादा आत्मविश्वास से भरें। आत्मविश्वास से हम किसी भी चुनौती और समस्याओं का आसानी से सामना कर सकते हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सौंपे गए उत्तरदायित्वों का पूर्ण लगन और ईमानदारी से निर्वहन करने की बात कही।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्रीमती अर्चना द्विवेदी ने गणतन्त्र दिवस की बधाई देते हुए कहा कि ये गर्व की बात है कि हम सब दुनिया के सबसे वृहत्त लोकतन्त्र का हिस्सा है। जिस तरह हमारे समाज में एक संयुक्त परिवार में हम एक दूसरे के सुख, समृद्धि और सुरक्षा में सहायक होते हैं उसी तरह मिल-जुलकर देश को आगे बढाने में अपना सहयोग दें। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र ने सभी जनपदवासियों को गणतन्त्र दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज ही के दिन 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ था और हमारा देश एक लोकतान्त्रिक गणराज्य बना था। आजादी के बाद से देश ने विभिन्न क्षेत्रों में जो तरक्की की है उसे सारी दुनिया देख रही है।
कार्यक्रम में कुलदीप पाल, शौर्य, आर्यन, अनुज, शिवम, पवन सहित अन्य कलाकारों ने देशभक्ति एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां से कार्यक्रम में चार चॉद लगा दिए। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रताप सिंह राणा ने किया। नेत्रहीन एवं दिव्यांग कल्याण शिक्षण संस्थान के बच्चों द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत मंत्रमुग्ध कर देने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार, मुख्य कोषाधिकारी सूरज कुमार, डिप्टी कलेक्टर श्वेता पाण्डेय एवं डॉ0 पूर्वा सहित कलेक्ट्रेट कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी प्रतिभा, कुशलता एवं एकाग्रता से करें कार्य करते हुए देश की उन्नति में दे शत-प्रतिशत योगदान - मण्डलायुक्त अटल कुमार राय

राष्ट्रहित में करें कर्तव्यों का पालन - अटल कुमार राय

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर। मण्डलायुक्त अटल कुमार राय द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयुक्त कार्यालय में ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित सभी को भारतीय गणतंत्र के संकल्प हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित कराने वाली बंधुता बढाने के लिए दृढसंकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं। की शपथ दिलायी गयी।
मंडलायुक्त अटल कुमार राय ने कहा कि हमारे देश ने 26 जनवरी 1950 से गणतंत्र दिवस मनाना प्रारम्भ किया जबकि हमारा संविधान 26 नवम्बर 1949 को बनकर तैयार हो गया था। भारत ने एक लम्बी विकासयात्रा तय की है जिसमें अनेक गौरवशाली अध्याय हैं। लेकिन अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है उसके लिए आवश्यक है कि हम जिन पदों पर पदस्थ हैं उसका शत-प्रतिशत योगदान देते हुए प्रतिभा, कुशलता एवं एकाग्रता से कार्य करें। राष्ट्र एवं देशभक्ति के हित में कर्तव्य पालन किया जाए। उन्होंने गीता का उद्धरण देते हुए कहा कि कुशलता से किये गए कार्य ही पहचान बनाते हैं। मण्डलायुक्त अटल कुमार राय ने स्वतंत्रता सेनानियो एवं अमर शहीदो को नमन करते हुए कहा कि संविधान की प्रस्तावना हमारे देश का संकल्प एवं उद्देश्य है। देश को कैसा बनाना है यह संविधान की प्रस्तावना में उल्लिखित है। हम सभी को भारत को उन्नत राष्ट्र बनाना है, जिसके लिए समाजिक और आर्थिक क्षेत्र में विशेष कार्य किए जाने की आवश्यकता है। इसमें उत्तर प्रदेश का विशेष योगदान होगा जो कि देश का ग्रोथ इंजन है और यहां देश की आबादी का पांचवा भाग निवास करता है। देश के प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री के सपनों को साकार करना है। देश के अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के विचारों को आत्मसात करना ही सच्ची देशभक्ति है। अपर आयुक्त रमेश यादव ने कहा कि हमारे देश का संविधान सबसे बडा संविधान हैं आज पूरे विश्व में भारतीयों ने एक अलग पहचान बनायी हैं। इसको बनाये रखने के लिय आवश्यक है कि हम सौपे गये दायित्वो को पूर्ण ईमानदारी से पूरा करें।
इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी दिलीप कुमार गुप्ता सहित कमिश्नरी कार्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खिरहनी चौकी क्षेत्र में दर्दनाक सड़क हादसा

23 वर्षीय युवक की इलाज के दौरान मौत

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी के कोतवाली थाना क्षेत्र के खिरहनी चौकी अंतर्गत माई जी नदी के पास तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने दो पहिया वाहन चालक को जोरदार टक्कर मारी। इस भीषण सड़क हादसा में बाइक सवार युवक बुरी तरह जख्मी हो गया जिसे इलाज के लिए शासकीय जिला चिकित्सालय कटनी लाया गया जहाँ पर युवक की इलाज के दौरान मौत हों गई पूरी हादसे का पूरा घटना क्रम वीडियो सीसी टीवी में कैद हों गया। इस घटना के बारे में खिरहनी चौकी प्रभारी महेन्द्र जायसवाल ने बताया कि कोतवाली थाना क्षेत्र के खिरहनी चौकी अंतर्गत एक दर्दनाक घटना सीसीटीवी में कैद हुई। जहां एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार शख्स खिरवा रीठी निवासी सौरभ राय उम्र 23 वर्ष को जोरदार सामने से जोरदार टक्कर मारी। जिसमें वो गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित सौरभ को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हों गईं। इस पुरे हादसे की घटना का वीडियो सीसीटीवी में कैद हों गया जिसमे एक इण्डिका विजिटा कार जों शहडोल पासिंग बताई जा रही हैं। पुलिस ने वाहन को जब्त कर वैधानिक कार्रवाई में जुट गई है।

अटल कुमार राय ने मण्डलायुक्त सहारनपुर का कार्यभार किया ग्रहण

जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना प्राथमिकता - मण्डलायुक्त अटल कुमार राय

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर, नवागत मण्डलायुक्त अटल कुमार राय ने मंडलायुक्त सहारनपुर का कार्यभार ग्रहण किया। वे वर्ष 2009 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी है। यह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के आजमगढ जनपद के रहने वाले है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से उन्होंने अपनी शिक्षा पूर्ण की। वर्तमान में वह निदेशक पंचायती राज विभाग के साथ-साथ सचिव का दायित्व भी संभाल रहे थे। उन्होंने शासन सहित बिजनौर, गौतमबुद्धनगर, प्रयागराज एवं आगरा आदि कई जिलों में अपनी सेवाएं दी है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि जनता की इच्छाओं के अनुरूप सभी जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर लाना प्राथमिकता रहेगी। शासन के विकास एवं प्राथमिकता युक्त कार्यों को प्रगति पर ले जाना मूल उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों का समयबद्ध प्रभावी निस्तारण एवं विकास कार्यों में सर्वोच्चता लाना उनकी प्राथमिकता होगी। सरकार द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी एवं बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक पात्र को योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। जनपद में चल रही विकास संबंधी परियोजनाओं में ओर अधिक तेजी लाई जायेगी। किसानों, ग्रामीणों, वृद्धों, दिव्यांजनों तथा समाज कल्याण से संबंधित योजनाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ तीव्र गति से पात्रों तक पंहुचाया जाएगा। कार्यभार ग्रहण करते समय जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर रोहित सिंह सजवाण, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, नगर आयुक्त संजय चौहान, अपर आयुक्त रमेश यादव, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, पुलिस अधीक्षक यातायात सिद्धार्थ वर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नर्मदा अमरकंटक महोत्सव के संबंध में यात्री बस संचालकों की बैठक सम्पन्न

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार 3 फरवरी से 05 फरवरी 2025 तक ''नर्मदा अमरकंटक महोत्सव 2025'' का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक, साहित्यिक, साहसिक एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान अमरकंटक में बहुत अधिक संख्या में यात्रियों के आने की संभावना है। जिसे दृष्टिगत रखते हुए जिला परिवहन अधिकारी कार्यालय अनूपपुर में आज यात्री बस संचालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला परिवहन अधिकारी श्री सुरेन्द्र सिंह गौतम ने वाहन स्वामियों को उपरोक्त अवधि में अधिक से अधिक संख्या में अनूपपुर से अमरकंटक के लिए परमिट लेने के निर्देश दिए। साथ ही यात्रियों के साथ सद् व्यवहार अपनाने एवं सुरक्षित यात्री वाहनों का परिवहन करने हेतु निर्देश दिए। बैठक में अध्यक्ष बस एसोसिएशन, जिला अनूपपुर श्री छत्रपाल सिंह गहरवार, सचिव श्री संजय भट्ट एवं श्री ओमकार जायसवाल, श्री संग्राम सिंह नायक, श्री जितेंद्र सिंह, श्री विनोद कुशवाहा, श्री ओमप्रकाश गुप्ता, श्री शमशाद अली खान उपस्थित रहे।

थाना-भालूमाड़ा पुलिस ने गुमशुदा को दस्तयाबी कर परिजन को सुपुर्द किया

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय अनूपपुर श्री मोती-उर-रहमान के निर्देशन मे, श्रीमान् अति. पुलिस अधीक्षक महोदय श्री इसरार मन्सूरी तथा अनु.अधि. कोतमा (पुलिस) श्रीमती आरती शाक्य के मार्ग दर्शन में थाना भालूमाड़ा की टीम द्वारा थाना भालूमाडा के गुम इंसान क्रमांक 03/2025 के गुमशुदा सागर गुप्ता उर्फ लकी पिता नेमचंद गुप्ता उम्र 25 वर्ष निवासी बगडुमरा थाना भालूमाडा की पता तलास कर हैदराबाद से लाकर दस्तयाब किया गया तथा गुमशुदा को उसके परिजन पिता नेमचंद गुप्ता पिता स्व. महाजन गुप्ता उम्र 45 वर्ष निवासी बगडुमरा थाना भालूमाडा को सुपुर्द किया गया है । नाम पता गुमशुदा - सागर गुप्ता उर्फ लकी पिता नेमचंद गुप्ता उम्र 25 वर्ष निवासी बगडुमरा थाना भालूमाडा जिला अनूपपुर (म.प्र.) अहम भूमिका - थाना प्रभारी भालूमाडा निरी संजय खलको प्र.आर 23 बृजेश सिंह प्र.आऱ. 68 सुखेन्द्र सिंह की रही ।

संस्कारों के साथ देशभक्ति से ओत प्रोत शिक्षा शिशु मंदिर मे - बंजारी

उज्जैन

ग्राम भारती शिक्षा समिति जिला उज्जैन द्वारा संचालित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बंजारी में 76 वा गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुवात कोहरे के पीछे छुपी सूर्य की किरण के साथ नन्हे छात्रों द्वारा देशभक्ति से ओत प्रोत प्रभात फेरी के रूप में रैली गांव में निकली गई। जिसमें भारत माता, सरस्वती माता, लक्ष्मी बाई रूपी बनी बालिकाएं व स्वामी विवेकानन्द, भगत सिंह रूपी बने बालक की रंगबिरंगे तिरंगा ध्वज हाथों में लिए टुकड़ियों सभी का मन मोह रही थी। प्रभात फेरी के पश्चात अतिथियों द्वारा ध्वजारोहण व दीप प्रज्लवित कर सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुवात की गई । कार्यक्रम में गत वर्ष विद्यालय स्तर पर प्रत्येक कक्षा के शिक्षण क्षेत्र में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले भैया बहिनों को व प्रान्त स्तरीय प्रतियोगिता में विद्यालय के प्रथम आए भैया बहिनों को संयोजक मण्डल व उपस्थित अतिथियों द्वारा

पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दानदाता श्री भोपाल सिंह जी श्रीवच्छ, मुख्य वक्ता श्री लाल सिंह जी बंजारी पूर्व उपाध्यक्ष जनपद, अध्यक्षता श्री सुमेर सिंह जी संस्था संयोजक, विशेष अतिथि श्री दिनेश जी पाटीदार सरपंच प्रतिनिधि, विशेष अतिथि, श्री कृष्णपाल सिंह जी उपसरपंच संयोजक मण्डल से श्री सुरेश पाटीदार सह संयोजक, श्री मोहन सिंह,श्री गजपाल सिंह,श्री टीकम सिंह, श्री कपिल सिंह, श्री राधेश्याम पाटीदार , श्री लाल सिंह सोलंकी, श्री सुरेंद्र सिंह, श्री बलवीर सिंह जी उपस्थित थे विद्यालय परिवार द्वारा अतिथियों का स्वागत सत्कार दुपट्टा श्रीफल भेंट कर किया गया।मुख्य वक्ता श्री लाल सिंह जी द्वारा विद्यालय में विकास कार्यों के ऊपर प्रकाश डाला व भैया बहिनों को गणतंत्र दिवस संविधान के बारे में जानकारी दी गई शिशु मंदिर संस्कारों में साथ देशभक्ति, सेवा, श्रम, सनातन की शिक्षा देता है।कार्यक्रम में भैया बहिनों के द्वारा शारीरिक प्रदर्शन में सूर्यनमस्कार, योग,शारीरिक प्रकट व रंगमंचीय प्रस्तुतियों में देशभक्ति सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया । विद्यालय परिवार से प्रधानाचार्य श्री दरबार सिंह, लेखपाल कार्यालय प्रमुख श्री पुखराज सिंह, आचार्य श्री रोहित मंडावलिया, आचार्य सुश्री सविता बैरागी, सुश्री पुष्पा कुंवर, सुश्री राधा डोडिया, सुश्री आयुषी चतुर्वेदी, सुश्री ज्योति शर्मा, श्रीमती सुनीता मंडावलिया, श्रीमती सपना शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कार्यालय प्रमुख पुखराज सिंह डोडिया व आभार प्रकट प्रधानाचार्य दरबार सिंह राठौर द्वारा किया गया।

अपने बच्चों को ऐसे विद्यालय में भेजें जहां संस्कारो की शिक्षा मिले :-उपाध्याय

उज्जैन

उज्जैन जिला ग्राम भारती शिक्षा समिति जिला उज्जैन द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेदरी विद्यालय में गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर विद्यालय में पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया विद्यालय द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई जिसमें ग्रामीणों द्वारा पुष्प वर्षा से भैया बहनों का स्वागत किया गया, अतिथियों द्वारा ध्वजारोहण किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रामेश्वर सेकवाड़िया (अध्यक्ष - उज्जैन जिला ग्राम भारती शिक्षा समिति), गोवर्धनलाल बंबोरिया (जिला समिति सदस्य) , मुख्य वक्ता रविराज उपाध्याय (भागवत प्रवक्ता) , विशेष अतिथि पंकज अटोलिया (सेदरी संकुल सहसंयोजक), भंवरलाल रडवाडिया (हाई स्कूल समिति अध्यक्ष), राजाराम सेकवाड़िया (विद्यालय संयोजक), एवं समिति

सदस्य परमानन्द सालित्रा, प्रहलाद ढोढरिया, रामनिवास ढोढरिया, कन्हैयालाल अटोलिया, प्रभुलाल चौहान एवं प्राचार्य अशोक पाटीदार मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ आचार्य अर्जुन सालित्रा द्वारा तथा अतिथि परिचय कैलाश गरगामा तथा अतिथि सम्मान आचार्य पुष्कर पाटीदार कुलदीप परमार वासुदेव वाक्तरिया द्वारा किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में नन्हे भैया बहनों द्वारा नृत्य नाटक एवं शारीरिक प्रदर्शन की आकर्षक एवं मनमोहक प्रस्तुति दी गई । कार्यक्रम में गुरुदेव रविराज उपाध्याय का पाथेय प्राप्त हुआ गुरुदेव ने कहा कि मेरी प्रारंभिक शिक्षा सरस्वती शिशु मंदिर में ही हुई और हमारे सामने एक सवाल रहता है कि हम अपने बच्चों को किस विद्यालय में भेजें तो हमें हमारे बच्चों को ऐसे विद्यालय में भेजना चाहिए जहां शिक्षक स्वयं अब हमारे बच्चों को तिलक लगाए एवं उन्हे संस्कारों की शिक्षा प्रदान करे। अतिथियों द्वारा अखिल भारतीय प्रतियोगिता ,क्षेत्रीय प्रतियोगिता एवं प्रांतीय प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाले भैया बहिन,सत्र 2023-24 मैं कक्षा में प्रथम,द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले भैया बहिन तथा वार्षिक नियमितता,अनुशासन और स्वच्छता में भी प्रथम भैया बहनों को सम्मानित किया गया। सत्र 2024-25 में उत्कृष्ट विद्यार्थी सम्मान भैया शुभम रड़वाडिया को दिया गया। कार्यक्रम का आभार विद्यालय संयोजक राजाराम सेकवाडिया माना। कार्यक्रम में आचार्य परिवार से टीना सेन, राधा बैरागी, यशोदा मदारिया, जया वाक्तरिया, मनीषा पाटीदार, ज्योति सागीत्रा, साधना बैरागी,अभिभावक बंधु ,मातृशक्ति ,पूर्व छात्र एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान- नई उड़ान मिली युवा को

इन्दौर में आयोजित मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान हितग्राही सम्मेलन में मुख्यमंत्री द्वारा ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान कर बधाई दी

झाबुआ - इन्दौर में आयोजित मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान हितग्राही सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पेटलावद के कृषक पुत्र दिलीप मुलेवा को ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान कर उन्हे बधाई दी। विकास खण्ड पेटलावद के कृषक पुत्र दिलीप मुलेवा कृषि महाविद्यालय से डिग्री प्राप्त कर अपने क्षेत्र में कृषि आधारित उद्योग स्थापित कर कुछ नया करना चाहते थे पर इसके लिए उन्हे कौन से कार्यालय में सम्पर्क करना है यह उन्हे नहीं मालुम था। कलेक्टर नेहा मीना के मार्गदर्शन में जिले में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत शिविरों का आयोजन किया गया । एक दिन उनके ग्राम में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान अंतर्गत शिविर लगा वहाँ उन्होने अपना उद्योग लगवाने हेतु

आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन प्राप्त होने पर उद्यान विभाग के जिला अधिकारी नीरज साँवलिया ने अपने विकास खण्ड प्रभारी सुरेश इनवाती को संबंधित के आवेदन का निराकरण करने हेतु निर्देशित किया। उद्यान विभाग के सुरेश इनवाती द्वारा दिलीप मुलेवा से सम्पर्क कर उनका ग्रेडिंग व फलोर मील इकाई स्थापित करने हेतु प्रकरण तैयार कर बैंक से संपर्क कर 22.60 लाख का ऋण स्वीकृत करवाया गया, जिसमें विभाग द्वारा 35 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है। जिले में कोई अन्य कृषक एवं उद्यमी कृषि आधारित उद्योग स्थापित करना चाहते है तो वह उद्यानिकी विभाग से संपर्क कर अपनी इकाई स्थापित करा सकते है।

भारत पर्व का हुआ आयोजन

कबीर के भजन और कांगड़ा लोकनृत्य की दी गई प्रस्तुति

खरगोन- गणतंत्र दिवस की संध्या पर खरगोन में कुंदा नदी के तट पर भारत पर्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक बालकृष्ण पाटीदार एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती छाया जोशी द्वारा किया गया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, एसडीएम बीएस कलेश, मुख्य नगरपालिका अधिकारी एमआर निगवाल, नगर पालिका के पार्षद और बड़ी संख्या में आम जन उपस्थित रहे। इस अवसर जनसंपर्क विभाग द्वारा शासन की योजनाओं और संविधान पर केन्द्रित प्रदर्शनी लगाई गई। स्वराज संस्थान संचालनालय म.प्र. शासन संस्कृति विभाग के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं नगर पालिका के संयुक्त तत्वाधान में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस की संध्या पर खरगोन नगर में कुन्दा नदी तट पर लोकतंत्र के लोक उत्सव भारत पर्व का आयोजन किया गया। इसमें इंदौर के मुकेश चौहान और उनकी टीम द्वारा मालवी बोली में कबीर के भजन के प्रस्तुत किए गए। इसके पश्चात विदिशा के विष्णुसिंह केवट एवं उनकी टीम द्वारा कांगड़ा लोकनृत्य की प्रस्तुति दी गई। भारत पर्व के इन दोनों कार्यक्रमों

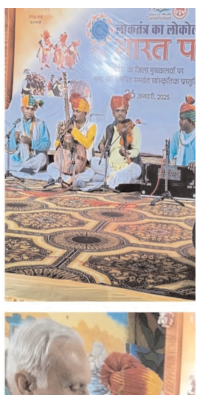

को आमजन द्वारा दिल से सराहा गया और कलाकारों की प्रशंसा की गई। इस दौरान विधायक श्री पाटीदार एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती जोशी द्वारा इंदौर एवं विदिशा के कलाकारों का हार पहनाकर स्वागत किया गया।

प्रभारी मंत्री 76 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पीजी कॉलेज ग्राउंड झाबुआ में झण्डा वंदन कर परेड की सलामी ली

जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

झाबुआ - जिले में गणतंत्र दिवस का मुख्य कार्यक्रम पीजी कॉलेज ग्राउन्ड झाबुआ में कैबिनेट मंत्री जनजातीय कार्य विभाग, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन विभाग, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग एवं जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह के मुख्य आतिथ्य में पारम्परिक रूप से हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्वक मनाया गया।

झण्डा वंदन और राष्ट्रगान मुख्य समारोह में प्रभारी मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने पी.जी. कॉलेज ग्राउंड में झण्डा वंदन किया एवं उसके उपरान्त पुलिस बैण्ड द्वारा राष्ट्रगान की धुन बजायी गयी।

परेड सलामी और परेड कमांडरों से परिचय समारोह में सुरक्षा बलों की टुकड़ियों ने हर्षफायर कर जयघोष किया। प्रभारी मंत्री द्वारा परेड सलामी ली गयी एवं इसके उपरान्त परेड कमांडरो से परिचय प्राप्त किया गया।

लोकतंत्र सेनानियों और पद्म श्री विजेताओं का सम्मान प्रभारी मंत्री द्वारा लोकतंत्र सेनानियों, जिले के पद्म श्री से सम्मानित व्यक्तित्व और शहीद के परिजनों का पुष्पमाला, श्रीफल और शॉल देकर सम्मान किया गया।

मुख्यमंत्री संदेश वाचन भारत के 76 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री के सन्देश का वाचन कर मध्यप्रदेश के जन-जन को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। समारोह में प्रभारी मंत्री ने अनेकता में एकता के प्रतीक रंग-बिरंगे गुब्बारों को आकाश में मुक्त किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम इसके पश्चात जनजातीय कार्य विभाग झाबुआ के मार्गदर्शन में स्कूली छात्र-छात्राओ द्वारा पी.टी. प्रदर्शन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए। सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रथम स्थान इंदौर पब्लिक स्कूल झाबुआ, द्वितीय स्थान पी एम श्री शा कन्या उ मा वि झाबुआ, तृतीय स्थान पर महाविद्यालयीन कर्मचारी पुत्री कन्या छात्रावास झाबुआ को प्राप्त हुआ।

विभिन्न विभागों की झांकियों कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा झाँकियाँ प्रस्तुत की गई जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत झाबुआ की थीम पिथौरा आर्ट को पुनर्जीवन, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग झाबुआ की थीम सी.एम. राइज स्कूल, उच संचालक कृषि विभाग झाबुआ की थीम विजन 2047 विकासित म.प्र. का आधार खेत खलिहानों में समृद्धि की बयार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग झाबुआ की थीम टी.बी. मुक्त भारत, महिला बाल विकास अधिकारी झाबुआ की थीम मोटी आई कैम्पेन 2024 कुपोषण मुक्त, वन मण्डलाधिकारी झाबुआ की थीम नगर वन योजना एक कदम हरियाली की और, मुख्य नगर पालिका अधिकारी झाबुआ की थीम वेस्ट टू वेल्थ और सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, यातायात पुलिस विभाग झाबुआ की थीम यातायात नियमों का पालन, सुरक्षित जीवन, उप संचालक पशुपालन विभाग झाबुआ की थीम गौ सुरक्षा संरक्षण एवं गौ संवर्धन, सहायक संचालक उद्यानिक विभाग झाबुआ की थीम आत्म निर्भर म.प्र. अन्तर्गत प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन, जिला खाद्य अधिकारी झाबुआ मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना, कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग झाबुआ जल जीवन मिशन समूह जल प्रदाय योजना कियान्वयन, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग झाबुआ की थीम विजन 2047 आधुनिक तकनिक से संचाई प्रणाली थी।

पुरस्कार वितरण गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। इसी के साथ ही परेड प्रदर्शन सीनीयर श्रेणी में प्रथम स्थान होम गार्ड बल और जिला पुलिस बल झाबुआ, द्वितीय स्थान जिला महिला पुलिस बल और एनसीसी सीनियर, एवं तृतीय स्थान वन विभाग और विशेष 24वीं वाहिनी ने प्राप्त किया। इसी प्रकार जूनियर दल में प्रथम स्थान रेड क्रॉस गर्ल्स, द्वितीय स्थान रेड क्रॉस बालक और एनसीसी जूनियर एवं तृतीय स्थान जूनियर गाइड दल माधोपुरा और कन्या पीएम श्री ने प्राप्त किया। झाँकियाँ प्रदर्शन में प्रथम स्थान जनजातीय कार्य विभाग, द्वितीय स्थान संयुक्त रूप से उपसंचालक कृषि और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं तृतीय स्थान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत झाबुआ ने प्राप्त किया। इस दौरान जन प्रतिनिधिगण, कलेक्टर नेहा मीना, पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्ल, बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, पत्रकार बन्धु, बच्चे एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संस्कारों के साथ देशभक्ति से ओत प्रोत शिक्षा शिशु मंदिर मे - बंजारी

उज्जैन

ग्राम भारती शिक्षा समिति जिला उज्जैन द्वारा संचालित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बंजारी में 76 वा गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुवात कोहरे के पीछे छुपी सूर्य की किरण के साथ नन्हे छात्रों द्वारा देशभक्ति से ओत प्रोत प्रभात फेरी के रूप में रैली गांव में निकली गई। जिसमें भारत माता, सरस्वती माता, लक्ष्मी बाई रूपी बनी बालिकाएं व स्वामी विवेकानन्द, भगत सिंह रूपी बने बालक की रंगबिरंगे तिरंगा ध्वज हाथों में लिए टुकड़ियों सभी का मन मोह रही थी। प्रभात फेरी के पश्चात अतिथियों द्वारा ध्वजारोहण व दीप प्रज्लवित कर सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुवात की गई । कार्यक्रम में गत वर्ष विद्यालय स्तर पर प्रत्येक कक्षा के शिक्षण क्षेत्र में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले भैया बहिनों को व प्रान्त स्तरीय प्रतियोगिता में विद्यालय के प्रथम आए भैया बहिनों को संयोजक मण्डल व उपस्थित अतिथियों द्वारा

पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दानदाता श्री भोपाल सिंह जी श्रीवच्छ, मुख्य वक्ता श्री लाल सिंह जी बंजारी पूर्व उपाध्यक्ष जनपद, अध्यक्षता श्री सुमेर सिंह जी संस्था संयोजक, विशेष अतिथि श्री दिनेश जी पाटीदार सरपंच प्रतिनिधि, विशेष अतिथि, श्री कृष्णपाल सिंह जी उपसरपंच संयोजक मण्डल से श्री सुरेश पाटीदार सह संयोजक, श्री मोहन सिंह,श्री गजपाल सिंह,श्री टीकम सिंह, श्री कपिल सिंह, श्री राधेश्याम पाटीदार , श्री लाल सिंह सोलंकी, श्री सुरेंद्र सिंह, श्री बलवीर सिंह जी उपस्थित थे विद्यालय परिवार द्वारा अतिथियों का स्वागत सत्कार दुपट्टा श्रीफल भेंट कर किया गया।मुख्य वक्ता श्री लाल सिंह जी द्वारा विद्यालय में विकास कार्यों के ऊपर प्रकाश डाला व भैया बहिनों को गणतंत्र दिवस संविधान के बारे में जानकारी दी गई शिशु मंदिर संस्कारों में साथ देशभक्ति, सेवा, श्रम, सनातन की शिक्षा देता है।कार्यक्रम में भैया बहिनों के द्वारा शारीरिक प्रदर्शन में सूर्यनमस्कार, योग,शारीरिक प्रकट व रंगमंचीय प्रस्तुतियों में देशभक्ति सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया । विद्यालय परिवार से प्रधानाचार्य श्री दरबार सिंह, लेखपाल कार्यालय प्रमुख श्री पुखराज सिंह, आचार्य श्री रोहित मंडावलिया, आचार्य सुश्री सविता बैरागी, सुश्री पुष्पा कुंवर, सुश्री राधा डोडिया, सुश्री आयुषी चतुर्वेदी, सुश्री ज्योति शर्मा, श्रीमती सुनीता मंडावलिया, श्रीमती सपना शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कार्यालय प्रमुख पुखराज सिंह डोडिया व आभार प्रकट प्रधानाचार्य दरबार सिंह राठौर द्वारा किया गया।

अपने बच्चों को ऐसे विद्यालय में भेजें जहां संस्कारो की शिक्षा मिले :-उपाध्याय

उज्जैन

उज्जैन जिला ग्राम भारती शिक्षा समिति जिला उज्जैन द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेदरी विद्यालय में गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर विद्यालय में पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया विद्यालय द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई जिसमें ग्रामीणों द्वारा पुष्प वर्षा से भैया बहनों का स्वागत किया गया, अतिथियों द्वारा ध्वजारोहण किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रामेश्वर सेकवाड़िया (अध्यक्ष - उज्जैन जिला ग्राम भारती शिक्षा समिति), गोवर्धनलाल बंबोरिया (जिला समिति सदस्य) , मुख्य वक्ता रविराज उपाध्याय (भागवत प्रवक्ता) , विशेष अतिथि पंकज अटोलिया (सेदरी संकुल सहसंयोजक), भंवरलाल रडवाडिया (हाई स्कूल समिति अध्यक्ष), राजाराम सेकवाड़िया (विद्यालय संयोजक), एवं समिति

सदस्य परमानन्द सालित्रा, प्रहलाद ढोढरिया, रामनिवास ढोढरिया, कन्हैयालाल अटोलिया, प्रभुलाल चौहान एवं प्राचार्य अशोक पाटीदार मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ आचार्य अर्जुन सालित्रा द्वारा तथा अतिथि परिचय कैलाश गरगामा तथा अतिथि सम्मान आचार्य पुष्कर पाटीदार कुलदीप परमार वासुदेव वाक्तरिया द्वारा किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में नन्हे भैया बहनों द्वारा नृत्य नाटक एवं शारीरिक प्रदर्शन की आकर्षक एवं मनमोहक प्रस्तुति दी गई । कार्यक्रम में गुरुदेव रविराज उपाध्याय का पाथेय प्राप्त हुआ गुरुदेव ने कहा कि मेरी प्रारंभिक शिक्षा सरस्वती शिशु मंदिर में ही हुई और हमारे सामने एक सवाल रहता है कि हम अपने बच्चों को किस विद्यालय में भेजें तो हमें हमारे बच्चों को ऐसे विद्यालय में भेजना चाहिए जहां शिक्षक स्वयं अब हमारे बच्चों को तिलक लगाए एवं उन्हे संस्कारों की शिक्षा प्रदान करे। अतिथियों द्वारा अखिल भारतीय प्रतियोगिता ,क्षेत्रीय प्रतियोगिता एवं प्रांतीय प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाले भैया बहिन,सत्र 2023-24 मैं कक्षा में प्रथम,द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले भैया बहिन तथा वार्षिक नियमितता,अनुशासन और स्वच्छता में भी प्रथम भैया बहनों को सम्मानित किया गया। सत्र 2024-25 में उत्कृष्ट विद्यार्थी सम्मान भैया शुभम रड़वाडिया को दिया गया। कार्यक्रम का आभार विद्यालय संयोजक राजाराम सेकवाडिया माना। कार्यक्रम में आचार्य परिवार से टीना सेन, राधा बैरागी, यशोदा मदारिया, जया वाक्तरिया, मनीषा पाटीदार, ज्योति सागीत्रा, साधना बैरागी,अभिभावक बंधु ,मातृशक्ति ,पूर्व छात्र एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान- नई उड़ान मिली युवा को

इन्दौर में आयोजित मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान हितग्राही सम्मेलन में मुख्यमंत्री द्वारा ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान कर बधाई दी

झाबुआ - इन्दौर में आयोजित मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान हितग्राही सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पेटलावद के कृषक पुत्र दिलीप मुलेवा को ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान कर उन्हे बधाई दी। विकास खण्ड पेटलावद के कृषक पुत्र दिलीप मुलेवा कृषि महाविद्यालय से डिग्री प्राप्त कर अपने क्षेत्र में कृषि आधारित उद्योग स्थापित कर कुछ नया करना चाहते थे पर इसके लिए उन्हे कौन से कार्यालय में सम्पर्क करना है यह उन्हे नहीं मालुम था। कलेक्टर नेहा मीना के मार्गदर्शन में जिले में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत शिविरों का आयोजन किया गया । एक दिन उनके ग्राम में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान अंतर्गत शिविर लगा वहाँ उन्होने अपना उद्योग लगवाने हेतु

आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन प्राप्त होने पर उद्यान विभाग के जिला अधिकारी नीरज साँवलिया ने अपने विकास खण्ड प्रभारी सुरेश इनवाती को संबंधित के आवेदन का निराकरण करने हेतु निर्देशित किया। उद्यान विभाग के सुरेश इनवाती द्वारा दिलीप मुलेवा से सम्पर्क कर उनका ग्रेडिंग व फलोर मील इकाई स्थापित करने हेतु प्रकरण तैयार कर बैंक से संपर्क कर 22.60 लाख का ऋण स्वीकृत करवाया गया, जिसमें विभाग द्वारा 35 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है। जिले में कोई अन्य कृषक एवं उद्यमी कृषि आधारित उद्योग स्थापित करना चाहते है तो वह उद्यानिकी विभाग से संपर्क कर अपनी इकाई स्थापित करा सकते है।

भारत पर्व का हुआ आयोजन

कबीर के भजन और कांगड़ा लोकनृत्य की दी गई प्रस्तुति

खरगोन- गणतंत्र दिवस की संध्या पर खरगोन में कुंदा नदी के तट पर भारत पर्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक बालकृष्ण पाटीदार एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती छाया जोशी द्वारा किया गया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, एसडीएम बीएस कलेश, मुख्य नगरपालिका अधिकारी एमआर निगवाल, नगर पालिका के पार्षद और बड़ी संख्या में आम जन उपस्थित रहे। इस अवसर जनसंपर्क विभाग द्वारा शासन की योजनाओं और संविधान पर केन्द्रित प्रदर्शनी लगाई गई। स्वराज संस्थान संचालनालय म.प्र. शासन संस्कृति विभाग के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं नगर पालिका के संयुक्त तत्वाधान में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस की संध्या पर खरगोन नगर में कुन्दा नदी तट पर लोकतंत्र के लोक उत्सव भारत पर्व का आयोजन किया गया। इसमें इंदौर के मुकेश चौहान और उनकी टीम द्वारा मालवी बोली में कबीर के भजन के प्रस्तुत किए गए। इसके पश्चात विदिशा के विष्णुसिंह केवट एवं उनकी टीम द्वारा कांगड़ा लोकनृत्य की प्रस्तुति दी गई। भारत पर्व के इन दोनों कार्यक्रमों

को आमजन द्वारा दिल से सराहा गया और कलाकारों की प्रशंसा की गई। इस दौरान विधायक श्री पाटीदार एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती जोशी द्वारा इंदौर एवं विदिशा के कलाकारों का हार पहनाकर स्वागत किया गया।

प्रभारी मंत्री 76 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पीजी कॉलेज ग्राउंड झाबुआ में झण्डा वंदन कर परेड की सलामी ली

जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

झाबुआ - जिले में गणतंत्र दिवस का मुख्य कार्यक्रम पीजी कॉलेज ग्राउन्ड झाबुआ में कैबिनेट मंत्री जनजातीय कार्य विभाग, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन विभाग, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग एवं जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह के मुख्य आतिथ्य में पारम्परिक रूप से हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्वक मनाया गया।

झण्डा वंदन और राष्ट्रगान मुख्य समारोह में प्रभारी मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने पी.जी. कॉलेज ग्राउंड में झण्डा वंदन किया एवं उसके उपरान्त पुलिस बैण्ड द्वारा राष्ट्रगान की धुन बजायी गयी।

परेड सलामी और परेड कमांडरों से परिचय समारोह में सुरक्षा बलों की टुकड़ियों ने हर्षफायर कर जयघोष किया। प्रभारी मंत्री द्वारा परेड सलामी ली गयी एवं इसके उपरान्त परेड कमांडरो से परिचय प्राप्त किया गया।

लोकतंत्र सेनानियों और पद्म श्री विजेताओं का सम्मान प्रभारी मंत्री द्वारा लोकतंत्र सेनानियों, जिले के पद्म श्री से सम्मानित व्यक्तित्व और शहीद के परिजनों का पुष्पमाला, श्रीफल और शॉल देकर सम्मान किया गया।

मुख्यमंत्री संदेश वाचन भारत के 76 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री के सन्देश का वाचन कर मध्यप्रदेश के जन-जन को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। समारोह में प्रभारी मंत्री ने अनेकता में एकता के प्रतीक रंग-बिरंगे गुब्बारों को आकाश में मुक्त किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम इसके पश्चात जनजातीय कार्य विभाग झाबुआ के मार्गदर्शन में स्कूली छात्र-छात्राओ द्वारा पी.टी. प्रदर्शन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए। सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रथम स्थान इंदौर पब्लिक स्कूल झाबुआ, द्वितीय स्थान पी एम श्री शा कन्या उ मा वि झाबुआ, तृतीय स्थान पर महाविद्यालयीन कर्मचारी पुत्री कन्या छात्रावास झाबुआ को प्राप्त हुआ।

विभिन्न विभागों की झांकियों कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा झाँकियाँ प्रस्तुत की गई जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत झाबुआ की थीम पिथौरा आर्ट को पुनर्जीवन, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग झाबुआ की थीम सी.एम. राइज स्कूल, उच संचालक कृषि विभाग झाबुआ की थीम विजन 2047 विकासित म.प्र. का आधार खेत खलिहानों में समृद्धि की बयार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग झाबुआ की थीम टी.बी. मुक्त भारत, महिला बाल विकास अधिकारी झाबुआ की थीम मोटी आई कैम्पेन 2024 कुपोषण मुक्त, वन मण्डलाधिकारी झाबुआ की थीम नगर वन योजना एक कदम हरियाली की और, मुख्य नगर पालिका अधिकारी झाबुआ की थीम वेस्ट टू वेल्थ और सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, यातायात पुलिस विभाग झाबुआ की थीम यातायात नियमों का पालन, सुरक्षित जीवन, उप संचालक पशुपालन विभाग झाबुआ की थीम गौ सुरक्षा संरक्षण एवं गौ संवर्धन, सहायक संचालक उद्यानिक विभाग झाबुआ की थीम आत्म निर्भर म.प्र. अन्तर्गत प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन, जिला खाद्य अधिकारी झाबुआ मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना, कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग झाबुआ जल जीवन मिशन समूह जल प्रदाय योजना कियान्वयन, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग झाबुआ की थीम विजन 2047 आधुनिक तकनिक से संचाई प्रणाली थी।

पुरस्कार वितरण गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। इसी के साथ ही परेड प्रदर्शन सीनीयर श्रेणी में प्रथम स्थान होम गार्ड बल और जिला पुलिस बल झाबुआ, द्वितीय स्थान जिला महिला पुलिस बल और एनसीसी सीनियर, एवं तृतीय स्थान वन विभाग और विशेष 24वीं वाहिनी ने प्राप्त किया। इसी प्रकार जूनियर दल में प्रथम स्थान रेड क्रॉस गर्ल्स, द्वितीय स्थान रेड क्रॉस बालक और एनसीसी जूनियर एवं तृतीय स्थान जूनियर गाइड दल माधोपुरा और कन्या पीएम श्री ने प्राप्त किया। झाँकियाँ प्रदर्शन में प्रथम स्थान जनजातीय कार्य विभाग, द्वितीय स्थान संयुक्त रूप से उपसंचालक कृषि और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं तृतीय स्थान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत झाबुआ ने प्राप्त किया। इस दौरान जन प्रतिनिधिगण, कलेक्टर नेहा मीना, पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्ल, बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, पत्रकार बन्धु, बच्चे एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महिला में ट्रांसप्लांट की गई सुअर की किडनी

बनी सबसे लंबे समय तक स्वस्थ रहने वाली सुपरवुमन

इंटरनेशनल डेस्क. अमेरिका के अलाबामा राय की टुवाना लूनी अब तक सबसे लंबे समय तक सुअर की किडनी के साथ स्वस्थ रहने वाली इंसान बन गई हैं। नवंबर 2024 में सुअर की किडनी ट्रांसप्लांट करवाने के बाद 53 साल की लूनी अब 61 दिन से इस किडनी के साथ जीवन जी रही हैं और उनकी सेहत भी अच्छी है। लूनी खुद को सुपरवुमन मानती हैं और न्यूयॉर्क की सड़कों पर अपने परिवार के सदस्यों से भी तेज चलती हैं।

उनकी यह सफलता वैज्ञानिकों और डॉक्टरों के लिए एक उम्मीद बन गई है।

यह ट्रांसप्लांट जीनोट्रांसप्लांटेशन प्रक्रिया का हिस्सा था, जिसमें सुअरों के अंगों को जेनेटिकली मॉडिफाई किया जाता है ताकि वे इंसान के शरीर में बेहतर तरीके से काम कर सकें। सुअर की किडनी में 10 जेनेटिक बदलाव किए गए थे, ताकि वह इंसान के शरीर से मेल खा सके। इस प्रक्रिया के तहत लूनी की किडनी ट्रांसप्लांट की गई। ऑपरेशन सात घंटे तक चला और इसके 11 दिन बाद लूनी को अस्पताल से छुट्टी मिल गई।

लूनी ने 1999 में अपनी मां को एक किडनी दान की थी। कुछ साल बाद हाई ब्लड प्रेशर के कारण उनकी दूसरी किडनी को नुकसान हो गया और 2016 तक वह पूरी तरह से काम करना बंद कर गई। इसके बाद लूनी आठ साल तक डायलिसिस पर रहीं। फिर 25 नवंबर 2024 को न्यूयॉर्क के एनवाइयू लैगोन अस्पताल में उन्हें सुअर की किडनी ट्रांसप्लांट की गई, जिससे उनकी जिंदगी को नया मोड़ मिला। लूनी से पहले दो अन्य मरीजों को भी सुअर की किडनी ट्रांसप्लांट की गई थी, लेकिन वे यादा समय तक जीवित नहीं रह सके। पहले मरीज रिक स्लेमन की ट्रांसप्लांट के दो महीने बाद मृत्यु हो गई। दूसरी मरीज लीसा पिसानो 47 दिन तक जीवित रही। 2023 में न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी अस्पताल ने एक मृत व्यक्ति के शरीर में सुअर की किडनी ट्रांसप्लांट की थी, लेकिन वह किडनी 61 दिन बाद काम करना बंद कर गई।

अब मोबाइल टावर की नहीं जरूरत सीधे अंतरिक्ष से मिलेगा नेटवर्क !

एलन मस्क ने शुरू की बीटा टेस्टिंग

इंटरनेशनल डेस्क. स्पेसएक्स और टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने एक बड़ी तकनीकी क्रांति की ओर कदम बढ़ाया है। उन्होंने घोषणा की है कि अब मोबाइल फोन बिना किसी मोबाइल टावर के सीधे सैटेलाइट से कनेक्ट होंगे। स्टारलिंक की नई डायरेक्ट टू सेल सैटेलाइट सर्विस की बीटा टेस्टिंग आज, 27 जनवरी 2025 से शुरू हो रही है। यह सेवा मोबाइल नेटवर्क के क्षेत्र में बड़े बदलाव का संकेत है और इस नई टेक्नोलॉजी से मोबाइल टावर की जरूरत खत्म हो सकती है।

क्या है डायरेक्ट टू सेल सैटेलाइट सर्विस?

डायरेक्ट टू सेल सर्विस एक ऐसी तकनीक है जो स्मार्टफोन को सीधे स्पेसएक्स के स्टारलिंक सैटेलाइट नेटवर्क से कनेक्ट करेगी। इसके लिए जमीन पर पारंपरिक मोबाइल नेटवर्क टावर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी। यह सेवा खासतौर पर उन इलाकों के लिए गेमचेंजर साबित हो सकती है जहां मोबाइल नेटवर्क का कवरेज नहीं है, जैसे- दूरदराज के ग्रामीण इलाके, समुद्री क्षेत्र और पर्वतीय क्षेत्र।

कैसे काम करेगी यह सेवा?

स्मार्टफोन सीधे स्टारलिंक के लो-अर्थ ऑर्बिट सैटेलाइट से कनेक्ट होंगे। इसके लिए अलग से किसी सैटेलाइट फोन की जरूरत नहीं होगी। इस सेवा के जरिए मोबाइल फोन नेटवर्क हर जगह उपलब्ध होगा, चाहे वह कोई रेगिस्तान हो, घने जंगल हों या समुद्र। मोबाइल टावर लगाने और उनका रखरखाव महंगा होता है। इस सेवा के जरिए लागत कम हो जाएगी और नेटवर्क का विस्तार तेजी से होगा।

सेवा के फायदे व बीटा टेस्टिंग का उद्देश्य

दुनिया के उन हिस्सों में भी मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध होगा जहां आज तक यह संभव नहीं था।

किसी प्राकृतिक आपदा या युद्ध जैसी परिस्थितियों में जब मोबाइल टावर काम करना बंद कर देते हैं, यह तकनीक संचार को बनाए रखेगी।

सैटेलाइट आधारित नेटवर्क का इस्तेमाल करने से कॉल ड्रॉप जैसी समस्याएं भी खत्म होंगी।

एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि स्टारलिंक की यह नई सेवा पहले कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में बीटा टेस्टिंग के जरिए शुरू की जाएगी।

इस टेस्टिंग का उद्देश्य सेवा की व्यवहार्यता और तकनीकी सीमाओं का आकलन करना है।

दुनिया पर प्रभाव

मोबाइल इंडस्ट्री में यह क्रांति दुनिया भर की मोबाइल कंपनियों को चुनौती दे सकती है।

ट्रेडिशनल मोबाइल टावर पर निर्भरता कम होगी।

इससे पर्यावरण को भी फायदा होगा क्योंकि टावर लगाने के लिए जंगल काटने की जरूरत कम होगी। ग्लोबल कनेक्टिविटी बढ़ेगी ।

दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोग भी हाई-स्पीड इंटरनेट और कॉलिंग सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

भारत पर असर

भारत जैसे देश में, जहां अभी भी कई ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क का अभाव है, यह तकनीक बहुत उपयोगी साबित होगी। यह डिजिटल इंडिया को और गति देगा और ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने में मदद करेगा। बता दें कि एलन मस्क की स्टारलिंक डायरेक्ट टू सेल सैटेलाइट सर्विस भविष्य की टेक्नोलॉजी है, जो संचार के क्षेत्र में क्रांति ला सकती है। अगर यह बीटा टेस्टिंग सफल होती है, तो आने वाले सालों में मोबाइल नेटवर्क की तस्वीर पूरी तरह बदल सकती है। एलन मस्क का यह कदम सिर्फ मोबाइल नेटवर्क तक सीमित नहीं है। उनका विजन पूरी दुनिया को सैटेलाइट के जरिए जोड़ना है ताकि ग्लोबल कनेक्टिविटी में सुधार हो सके।

अमेरिका में ट्रांसजेंडर सैनिकों पर लगेगा प्रतिबंध

ट्रंप ने आर्मी बदलाव को लेकर कार्यकारी आदेश पर किए हस्ताक्षर

इंटरनेशनल डेस्क. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को ट्रांसजेंडर सैनिकों पर पेंटागन की नीति को संशोधित करने का निर्देश दिया है। ट्रंप के इस कार्यकारी आदेश से भविष्य में अमेरिकी सेना में ट्रांसजेंडर सैनिकों की भर्ती पर प्रतिबंध लग सकता है। अपने पहले कार्यकाल के दौरान ट्रंप ने ट्रांसजेंडर सैनिकों पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की थी, लेकिन यह मामला कई वर्षों तक अदालतों में उलझा रहा। इसके बाद तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा पदभार ग्रहण करने के कुछ समय बाद ही इसे पलट दिया गया था। डोनाल्ड ट्रंप ने शपथ लेने के बाद घोषणा की कि अमेरिका में अब केवल दो ही जेंडर मान्य होंगे मेल और फीमेल। उन्होंने स्पष्ट किया कि थर्ड जेंडर की मान्यता को खत्म कर दिया गया है। ट्रंप ने कहा, हमारी सेना और स्कूलों से ट्रांसजेंडर विचारधारा को पूरी तरह समाप्त किया जाएगा। यह फैसला ट्रंप की चुनावी घोषणाओं का हिस्सा था, जिसमें उन्होंने सेना और शिक्षा प्रणाली में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के शामिल होने पर प्रतिबंध लगाने का वादा किया था। ट्रंप ने अपने कार्यकाल में बाल यौन उत्पीड़न के खिलाफ कठोर कानून लागू करने का वादा भी दोहराया। उन्होंने कहा, हम बच्चों के शोषण को जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हालांकि, जन्मसिद्ध नागरिकता के मुद्दे पर ट्रंप प्रशासन को कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने इस फैसले पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है, लेकिन ट्रंप प्रशासन इसे लेकर आगे की रणनीति पर विचार कर रहा है।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री बने ट्रंप के फैन, गाजा युद्धविराम में भूमिका के लिए की सराहना

इंटरनेशनल डेस्क. ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने गाजा में ''ऐतिहासिकइजराइल-हमास युद्धविराम में भूमिका के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सराहना की। स्टार्मर ने ट्रंप की प्रशंसा उनके साथ टेलीफोन पर हुई अपनी पहली आधिकारिक बातचीत के दौरान की। ब्रिटिश प्रधानमंत्री के लंदन स्थित आधिकारिक आवास 10 डाउनिंग स्ट्रीट की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत गर्मजोशी भरी रही और दोनों व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करने पर सहमत हुए। यह बातचीत संवाददाताओं से ट्रंप के यह कहने के तुरंत बाद हुई कि उन्हें लगता है कि स्टार्मर ने अब तक ''बहुत अच्छा कामकिया है।

डाउनिंग स्ट्रीट के एक प्रवक्ता ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने गाजा में ऐतिहासिक युद्धविराम और बंधक मुक्ति समझौते को अंजाम तक पहुंचाने में राष्ट्रपति ट्रंप की भूमिका के लिए उनकी प्रशंसा की।प्रवक्ता ने कहा, राष्ट्रपति (अमेरिका) ने ब्रिटिश-इजराइली बंधक एमिली दामरी की रिहाई का स्वागत किया और उनके परिवार के लिए शुभकामनाएं भेजीं। उन्होंने पश्चिम एशिया में सुरक्षा के लिए मिलकर काम करने के महत्व पर चर्चा की।ट्रंप ने स्टार्मर के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उनके भाई के निधन पर दुख व्यक्त किया। वहीं, स्टार्मर ने ट्रंप को 20 जनवरी को हुई उनके कार्यकाल की शुरुआत के लिए बधाई दी। स्टार्मर के भाई का पिछले महीने निधन हो गया था।

रामलला के दर्शनों के लिए उमड़ा भक्तों का सैलाब, पैर रखने तक की जगह नहीं

नेशनल डेस्क. महाकुंभ के दौरान भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में रामभक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या में पहुंचे हैं। हर रोज करीब 20 से 30 लाख श्रद्धालु श्रीराम जन्मभूमि पर रामलला के दर्शन करने और प्रसिद्ध हनुमान गढ़ी में माथा टेकने के लिए आ रहे हैं। यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

रामलला के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने दर्शन के लिए विशेष व्यवस्था की है, जिसमें श्रद्धालु लाइन में लगकर दर्शन कर रहे हैं। ये लाइनें तीन से चार किलोमीटर लंबी हो रही हैं। वहीं हनुमान गढ़ी मंदिर में भी पांच

किलोमीटर लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं, जहां श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं।

रामलला के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास ने बताया कि उन्होंने आज तक अयोध्या की सड़कों पर इतनी भारी भीड़ नहीं देखी। महाकुंभ में स्नान करने के बाद देशभर से लोग अयोध्या पहुंच रहे हैं। श्रद्धालु टूरिस्ट बसों और कारों से आते हैं, जिससे अयोध्या में जाम की स्थिति पैदा हो गई है। महाकुंभ के स्नान के बाद हर कोई अयोध्या में रामलला और हनुमानगढ़ी के दर्शन करना नहीं भूल रहा है।

अयोध्या में स्कूल बंद

आचार्य सत्येन्द्र दास ने बताया कि 26 जनवरी को जब वे अपने घर से मंदिर जाने निकले, तो जाम में फंस गए और उन्हें वापस लौटना पड़ा। इस भीड़ को देखते हुए 27 और 28 जनवरी को वे मंदिर नहीं जा पाए। इस समय रामलला की पूजा-पाठ उनके सहायक पुजारी कर रहे हैं। इतनी बड़ी भीड़ होने के बावजूद प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। अयोध्या में सड़क मार्ग पूरी तरह ठप हो गया है, जिससे स्कूलों को बंद कर दिया गया है। फैजाबाद जाने वाली सड़क पर गाड़ियों का प्रवेश नहीं हो पा रहा है। हालांकि, लोग पैदल यात्रा कर सकते हैं, लेकिन गाड़ियों से यात्रा करना मुश्किल हो गया है।

नीदरलैंड के ड्रेंट्स म्यूजियम से चोरी हुआ 2500 साल पुराना मुकुट

फिल्म धूम-2 के स्टाइल में की चोरी

इंटरनेशनल डेस्क. नीदरलैंड के एसेन शहर में स्थित ड्रेंट्स म्यूजियम से सैकड़ों साल पुरानी बेशकीमती वस्तुएं चोरी होने का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। डच पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार की सुबह म्यूजियम में हुई। चोरों ने फिल्म धूम 2 की तरह चोरी को अंजाम दिया। पहले विस्फोट कर म्यूजियम में घुसने का रास्ता बनाया, फिर बेशकीमती सामान चोरी कर लिया। पुलिस को स्थानीय समय के अनुसार सुबह 3:45 बजे विस्फोट की सूचना मिली थी।

चोर म्यूजियम से तीन डैशियन सोने के कंगन और एक शानदार मुकुट (हेलमेट) ले गए हैं। सीसीटीवी फुटेज में धमाके से पहले संदिग्धों को म्यूजियम का बाहरी दरवाजा खोलते हुए देखा जा सकता है। विस्फोट से चारों ओर धुआं और चिंगारी फैलती हुई

दिखाई देती है। जो मुकुट चोरी किया गया, वह 2500 साल पुराना है और म्यूजियम की प्रदर्शनी का आकर्षण था। यह मुकुट डैशियन्स नामक प्राचीन समाज से जुड़ा हुआ है, जिन्होंने रोमन साम्राय से पहले वर्तमान रोमानिया के अधिकांश हिस्से पर शासन किया था। इस मुकुट का नाम कोटोफेनेस्टी हेलमेट है और इसे करीब एक सदी पहले रोमानिया के एक गांव में खोजा गया था। इस हेलमेट के डिज़ाइन में पौराणिक चित्रण और आंखों का एक जोड़ा दिखता है, जो इसे पहनने वाले को बुरी नजर से बचाने के लिए माना जाता था। इसे युद्ध के दौरान दुश्मनों को डराने के लिए भी उपयोगी माना जाता था। यह चोरी एक विशेष प्रदर्शनी का हिस्सा थी, जिसका नाम डासिया- एम्पायर ऑफ गोल्ड एंड सिल्वर था, जिसमें रोमानिया के विभिन्न संस्थानों से उधार ली गई प्राचीन वस्तुएं प्रदर्शित की गई थीं। यह प्रदर्शनी जुलाई से चल रही थी और इसमें डैशियन्स के समाज और उनके खजाने को दर्शाया जा रहा था। डच पुलिस ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। वे इंटरपोल के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, जो एक वैश्विक पुलिस एजेंसी है। रविवार तक पुलिस को 50 से अधिक सूचनाएं प्राप्त हो चुकी हैं। जांचकर्ता एक ग्रे रंग की कार की तलाश में हैं, जो हफ्ते के शुरुआत में पास के शहर अलकमार से चोरी हो गई थी। यह कार घटना के बाद लगभग चार मील दूर जलती हुई पाई गई थी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569